जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 6 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार, 7 नवम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस का मन नहीं है, भाजपा व चुनाव आयोग की साजिश का मसला सुप्रीम कोर्ट में ले जाए

ऐसा लगता है कि पार्टी को विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर सही निर्णय समय पर नहीं ले पायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर लोकतंत्र को कमजोर करने और जनादेश चुराने के गंभीर आरोप लगाने के बावजूद, कांग्रेस नेतृत्व अपनी शिकायतों के निवारण के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने के प्रति इच्छुक नहीं दिख रहा है।

एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, राहुल गांधी ने सभी ज़रूरी तथ्यों और सबूतों को मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक कर दिया है, और अब यह सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर करता है कि वह इस मामले पर स्वतः संज्ञान ले और जनहित में कार्रवाई करे।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व को इस बात का भरोसा नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतंत्र के हित में सही कदम उठाएगा। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर भी कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। लेकिन अदालत ने न तो कोई ठोस कार्रवाई की, न ही कोई फैसला सुनाया, बल्कि मामले को लटकाए रखा। नतीजा यह हुआ कि चुनाव आयोग ने अपनी संशोधित मतदाता सूची के अनुसार चुनाव करवाए और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप या कार्यवाही नहीं कर सका।

अब वही सिलसिला आगे बढ़ते हुए 12 और राज्यों तक पहुंच गया है, जिनमें ममता बनर्जी का पश्चिम बंगाल भी शामिल है, जहाँ भाजपा लंबे समय से उन्हें हटाकर अपनी सरकार बनाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी का "हरियाणा हाइड्रोजन बम" फोड़ने का मकसद भी बिहार और वहाँ के युवाओं को यह संदेश देना है कि बिहार की स्थिति भी हरियाणा जैसी ही है।

आज बिहार में हुए मतदान में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ कुछ मतदाताओं ने फरवरी में दिल्ली में, और आज बिहार में भी मतदान किया। आने वाले दिनों में इस तरह के और भी कई मामले सामने आने की संभावना है।

- एसआईआर पर भी पार्टी सुप्रीम कोर्ट की शरण में गई थी, पर शीर्ष न्यायालय ने कुछ नहीं किया, कोई निर्णय नहीं लिया तथा मसले को लटका दिया।
- इसका अर्थ यह निकला कि चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट के आधार पर चुनाव करवा दिया और कोई भी इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर पाया, क्योंकि मसला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था।
- और अब एसआईआर की प्रक्रिया अन्य राज्यों में भी की जा रही है।
- राहुल गांधी ने साजिश के आरोप के साथ यह भी कहा कि आज के बिहार के मतदान में कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जहाँ एक व्यक्ति ने पिछले चुनावों में दिल्ली में और अब बिहार में मतदान किया है।

डमी प्रत्याशी बैठाकर चयनित हुआ अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में डमी अभ्यर्थी को बैठाकर चयनित हुए तृतीय श्रेणी अध्यापक सचिन कुमार बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) राजस्थान जयपुर विशाल बंसल ने बताया कि तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 का आयोजन 25 फरवरी 2023 को किया गया था।

सचिन कुमार बघेल उक्त सार्वजनिक प्रतियोगी परीक्षा में अपने स्थान पर अन्य डमी अभ्यर्थी को बैठाकर कर तृतीय श्रेणी अध्यापक के पद पर चयनित हो गया था। बघेल के दस्तावेज प्राप्त किये गये व नमूना हस्ताक्षर लिये जाकर राज्य विधि विज्ञान

- राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट के बाद एसओजी ने सचिन कुमार बघेल को हिरासत में लिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए नहीं तो जल जाती है'

लालू ने प्रथम चरण के मतदान के बाद कहा, बीस साल बहुत लंबा समय होता है, अब नई युवा सरकार आना जरूरी हो गया है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। बिहार की हाई-प्रोफाइल चुनावी जंग शुरू हो गई है। राज्य की 243 में से आधी सीटों पर गुरुवार को पहले चरण का मतदान हुआ। दूसरा चरण रविवार को होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, एनडीए सरकार एक बार फिर सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग 3.75 करोड़ मतदाताओं में से करीब 65 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही, बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, 15 मंत्री, तथा महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी तेजस्वी प्रसाद यादव समेत, कुल 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने यहां मीडियाकर्मियों को बताया कि अब तक जिला मुख्यालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 121 सीटों पर 64.46 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

लालू यादव ने अपने परिवार की स्याही लगी उंगलियों वाली तस्वीर साझा करते हुए लिखा, रोटी को तवे पर पलटते रहना चाहिए, नहीं तो वह जल जाएगी। 20 साल बहुत लंबा समय है! अब युवाओं की सरकार और नए बिहार के लिए तेजस्वी सरकार बेहद जरूरी है।

सम्राट चौधरी ने दावा किया कि एनडीए भारी बहुमत से सत्ता में लौटेगा, जबकि उनके प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि वे पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान देखना चाहते हैं और उन्होंने सभी से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मतदाताओं से "लोकतंत्र के इस त्योहार" में पूरे उत्साह से भाग लेने की अपील की। एनडीए की जीत के प्रति आशवस्त मोदी ने जोर देते हुए कहा कि एनडीए को इस बार अभूतपूर्व बहुमत मिलेगा।

- बिहार के प्रथम चरण की 121 विधानसभा सीटों पर लगभग पैंसठ प्रतिशत मतदान रहा।
- कांग्रेस का चुनाव अभियान जोर-शोर से शुरु हुआ था, पर राहुल गांधी का दो महीने तक बिहार से अनुपस्थित रहना भारी पड़ सकता है।
- चुनाव रणनीति विशेषज्ञ प्रशांत किशोर की भूमिका को आंकना प्रथम चरण के बाद भी कठिन है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इकॉनमी व रोज़मर्रा के बढ़ते खर्चे सबसे बड़ी चिंता है, अमेरिका वासियों की

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार यह दावा करते आ रहे हैं कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी चल रही है, जबकि जनता की भावना और आंकड़े कुछ और ही कहानी बताते हैं। सीएनएन के हालिया सर्वे के अनुसार, ट्रंप की गिरती लोकप्रियता सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था से संबंधित चिंताओं से जुड़ी है। लगभग 47 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने अर्थव्यवस्था और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को अपनी सबसे बड़ी चिंता बताया है। इसके बावजूद, ट्रंप आत्मविश्वास से भरे दिखते हैं और जीडीपी वृद्धि, तेजी से बढ़ते शेयर बाज़ार और रोजगार सृजन में छिटपुट बढ़ोतरी जैसे कुछ चुनिंदा आंकड़ों का हवाला देकर दावा करते हैं कि उनकी आर्थिक नीतियाँ सफल रही हैं। वे अक्सर टैरिफ, मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा आत्मनिर्भरता जैसे अपने कदमों को लेकर दावा करते हैं कि इनसे अमेरिकी उद्योग में नई जान आई है और आर्थिक मजबूती बहाल हुई है।

लेकिन यह कहानी वास्तविक आंकड़ों से मेल नहीं खाती। रोज़गार वृद्धि, जो किसी भी अर्थव्यवस्था की सेहत का प्रमुख संकेतक होती है, अब काफी धीमी हो गई है। हाल के एक महीने में अमेरिका ने सिर्फ़ लगभग 73,000 नई नौकरियाँ जोड़ीं, जो बाज़ार की उम्मीदों से काफी कम हैं। वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में औसत मासिक रोजगार सृजन लगभग 51,000 रहा, जो ऐतिहासिक मानकों की तुलना में बहुत मामूली हैं। कामकाजी आबादी की भागीदारी दर (लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट) भी घट रही है, खासकर युवाओं और मध्यम आयु वर्ग में। यह संकेत देता है कि ट्रंप द्वारा बताई जा रही आर्थिक मज़बूती व्यापक रोज़गार वृद्धि में तब्दील नहीं हो रही।

महंगाई, जो आम नागरिकों के लिए सबसे सीधा असर डालने वाला कारक है, अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि महामारी के बाद महंगाई की दर अपने उच्चतम स्तर से कम हुई है, पर यह अभी भी करीब 3 प्रतिशत वार्षिक दर पर चल रही है, जो अमेरिकी केन्द्रीय बैंक (फेडरल रिज़र्व) के लक्ष्य, 2 प्रतिशत से अधिक है। खाने-पीने की चीज़ें, मकान और ऊर्जा के दाम अब भी आम अमेरिकियों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। किराने के सामान की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 2.7 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि बिजली की लागत में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जो ट्रंप के उस दावे का खंडन करती है कि जीवन-यापन सस्ता हो रहा है। भले ही कुछ वस्तुओं के दाम स्थिर हो गए हों, पर वे महामारी से पहले के स्तर से अब भी काफ़ी अधिक हैं, यानी परिवारों को अब वही चीजें खरीदने के लिए पांच साल पहले की तुलना में कहीं ज़्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

ट्रंप अक्सर आर्थिक सफलता के प्रमाण के रूप में जिन जीडीपी आंकड़ों का बखान करते हैं, उनकी भी गहन जांच की आवश्यकता है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की वृद्धि कभी-कभी उम्मीद से अधिक रही है, पर इसका बड़ा हिस्सा तकनीकी कारणों से आया है, जैसे कि आयात में कमी, जिससे निर्यात

- जानी-मानी न्यूज़ एजेंसी सीएनएन के नवीनतम सर्वे के निष्कर्ष ने इकॉनमी के बारे में ट्रंप के दावों को एकदम खारिज किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छः माह से फरार विधायक पटेल का पीए गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बांसवाड़ा टीम ने छह माह से फरार चले रहे भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के विधायक जयकृष्ण पटेल के पीए को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि एसीबी की कार्रवाई की भनक लगते ही विधायक का पर्सनल असिस्टेंट रिश्वत के बीस लाख रुपए से भरा बैग पार्किंग से लेकर फरार हो गया था, जिसकी तलाश में कई जगहों पर दबिश दी गई। लेकिन आरोपी का कोई सुराग एसीबी के हाथ नहीं लगा । एसीबी टीम ने कार्रवाई के दौरान आरोपी का सहयोग करने वाले उसके परिचित राजेश मीणा (33) करौली निवासी को भी हिरासत में लिया है।

एसीबी टीम के पहुंचने से पहले आरोपी रोहिताश उर्फ रोहित स्कूटी से रिश्वत के बीस लाख रुपए लेकर फरार हो गया। एसीबी के एएसपी संदीप सारस्वत ने बताया कि एसीबी टीम ने 6 महीने से पर्सनल असिस्टेंट रोहित मीणा

- रोहित मीणा रिश्वत के पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के विकास व कांग्रेस के भ्रष्टाचार के बीच है, अंता का चुनाव- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने वसुंधरा राजे के साथ ढाई किलोमीटर लंबा रोड शो किया

बारां/जयपुर 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के विजन के साथ काम करती है। जनता की सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय है, जबकि कांग्रेस भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की नीति पर कार्य करते हुए झूठ और लूट की राजनीति करती है। उन्होंने आमजन से आ ान किया कि आगामी उपचुनाव में अंता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को ज्यादा से ज्यादा मतों से विजयी बनाएं।

मुख्यमंत्री ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो कर आमजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले दो साल में जनता के लिए जितना काम किया है, उतना पिछली कांग्रेस सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गुरूवार को मांगरोल में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में रोड शो किया।

- रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाये गये तथा आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा व माल्यार्पण किया। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन रथ में मुख्यमंत्री के साथ थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरफ्तार मौलाना टीटीपी टॉप कमांडर के संपर्क में था

जयपुर, नवंबर। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने मौलाना मोहम्मद उसामा और उसके भाई को संदिग्ध लगने पर पांच दिन पहले सांचौर से पकड़ा था।

एटीएस की पूछताछ में सांचौर से पकड़े गये मौलाना मोहम्मद उसामा उमर का संबंध अफगानिस्तान के आतंकी संगठन तहरीक-एक-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से था। उसामा चार साल से संगठन के टॉप कमांडर के संपर्क में था। इसके प्रमाण मिलने के बाद गिरफ्तार किए गये

- मौलाना के भाई से भी मोबाइल और दस्तावेज एटीएस ने कब्जे में लिए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की ज्यादतियों का जवाब देने के लिए ममदानी मेयर के ऑफिस में दो सौ और प्रोफेशनल वकील नियुक्त करेंगे

जैसा कि विदित ही है, ममदानी के पास और कोई रास्ता नहीं है, ट्रंप की प्रतिशोधात्मक कार्यवाही से बचने का

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अब नवनिर्वाचित न्यूयॉर्क मेयर ज़ोहरान ममदानी से निपटने के तरीकों की तलाश में जुटे हैं और इस दौरान उनके दो अलग-अलग चेहरे साफ़ तौर पर सामने आ रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक तरफ ट्रंप ममदानी को "कट्टरपंथी", "कम्युनिस्ट" और "न्यूयॉर्क सिटी के लिए खतरा" बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने इस नव-निर्वाचित मेयर को चतुर, अच्छा वक्ता और प्रतिभाशाली राजनेता बताया है। निजी बातचीत में, ट्रंप ने मज़ाक में यह भी कहा कि वे ममदानी से "कहीं ज़्यादा खूबसूरत हैं।"

राजनीतिक रूप से दोनों एक-दूसरे के घोर विरोधी माने जाते हैं और ऐसा लग रहा है कि अब वे सीधे टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप के लिए ममदानी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का नया चेहरा हैं। ममदानी की अप्रत्याशित जीत के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने कहा था, "डेमोक्रेट्स पागल हैं और वही हाल इस ममदानी, या जो भी उसका नाम है, का भी है।"

ट्रंप के करीबी मानते हैं कि ममदानी और न्यूयॉर्क सिटी अब ट्रंप का अगला निशाना बन सकते हैं। हालांकि कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को यह समझ आ जाये कि न्यूयॉर्क के आर्थिक रूप से सफल रहने में उनका स्वयं का भी हित है, क्योंकि उनके कई रियल एस्टेट कारोबार वहीं हैं।

- फिलहाल, ट्रंप और ममदानी एक-दूसरे पर कटाक्ष और व्यंग्य करने में जुटे हैं।
- ट्रंप ने ममदानी का मज़ाक बनाते हुए कहा कि वे न्यूयॉर्क के नये निर्वाचित मेयर से कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं।
- ममदानी ने अपनी विक्ट्री स्पीच में ट्रंप पर टिप्पणी करते हुए कहा, मैं जानता हूँ कि आप मेरी स्पीच सुन रहे हैं और देख रहे हो, मेरी नेक सलाह है कि वॉल्यूम बढ़ा लो जिससे साफ सुनाई दे।
- वाइट हाउस की प्रेस सैक्रेटरी कैरोलीन लिविट ने इसकी बाद में पुष्टि की कि उस समय ट्रंप वाकई में विक्ट्री स्पीच देख रहे थे।
- चाहे दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कितना भी बचकाना लगे, पर ट्रंप और ममदानी के बीच शांतिपूर्ण संबंध नहीं रहने वाले हैं।

बुधवार को ट्रंप ने कहा कि वे उनकी (ममदानी) "थोड़ी मदद शायद कर सकते हैं", क्योंकि वे न्यूयॉर्क सिटी की सफलता चाहते हैं।

लेकिन साथ ही उन्होंने धमकी दी कि वे शहर को "आवश्यक न्यूनतम राशि के अलावा" संघीय फंड नहीं देंगे। हालांकि वे कानूनी रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि, को न्यूनतम अपवादों के अलावा, रोक नहीं सकते।

जब भी प्रशासन ने आव्रजन नीतियों (इमिग्रेशन पालिसीज) को लेकर डेमोक्रेटिक शहरों के संघीय फंड रोकने की कोशिश की है, अदालतों ने हर बार उनके खिलाफ फैसला दिया है।

न्यूयॉर्क सिटी को संघीय सरकार से स्वास्थ्य, परिवहन और कानून व्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में धन मिलता है। यदि प्रशासन इनमें से किसी भी क्षेत्र के फंड रोकेगा तो निश्चित रूप से मुकदमेबाजी होगी।

जहाँ तक ममदानी का प्रश्न है, वे इस टकराव के लिए तैयार दिख रहे हैं। अपने विजय-भाषण में उन्होंने ट्रंप को सीधे चुनौती दी और कहा कि वे संघीय हस्तक्षेप के हर प्रयास का मुकाबला करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाम संगठनों ने जेएनयू छात्र संघ के चारों पद जीते

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित, सभी चारों पदों पर संयुक्त वाम संगठन ने जीत हासिल की है।

आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) और डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा बनाया था। अध्यक्ष पद पर अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष पद पर के गोपिका, महासचिव पद पर सुनील यादव और संयुक्त सचिव पद पर दानिश अली जो सभी वाम मोर्चे के प्रत्याशी थे, ने जीत दर्ज की। चारों पदों पर मोर्चे का मुख्य मुकाबला अखिल

- अदिति मिश्रा अध्यक्ष व सुनील यादव महासचिव निर्वाचित हुए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गुरु का भी दोष कह देना चाहिए। –स्वामी रामतीर्थ

सावधान! सुप्रीम कोर्ट क्षतिपूर्ति की मांग करने वाले उन अंकिचनों की रिट् पिटीशन्स की सुनवाई करेगी, जिन्हें न्यायालय ने न केवल दोष मुक्त किया अपितु माना कि राज्य के अभियोजन पक्ष ने उन्हें अमान्य रूप से बंदी बनाया और फर्जी शहादत बनाकर आजीवन कारावास/मृत्यु की सजा दिलवाई

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष तीन रिट् याचिकायें उन अकिंचन, निस्सहाय, अभागे व्यक्ति रामकिरत मुन्नीलाल गौड़, कत्तावैलाई व संजय ने पेश की हैं, और राज्य से क्षतिपूर्ति की प्रार्थना की है। क्षतिपूर्ति का आधार है उन्हें गैरकानूनी, अमान्य व अविधिक रूप से अभियोजन पक्ष ने अनैतिक प्रक्रिया से, कपटपूर्ण फर्जी रूप से गवाह तैयार किये और उन्हें दोषी ठहराया, फलस्वरूप उन्हें आजीवन कारावास/मृत्युदण्ड की सजा भुगतनी पड़ी। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से सभी तीनों पिटीशनर बरी किये गये।

महाराष्ट्र सरकार ने पिटीशनर (याची) को 12 वर्षों तक अमान्य रूप से बंदी बनाया। 6 वर्षों तक याची तिलतिल कर मरता रहा और मृत्यु की प्रतीक्षा करता रहा। उसका केस Wrongful Conviction का है, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। पिटीशनर कत्तावैलाई तामिलनाडू से हैं। उनके विरूद्ध मर्डर और रैप के आरोप थे। उसे बरी करते समय सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि देश में कानून होना चाहिये कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से कारावास में रखा जाता है और फर्जी शहादत के आधार पर सजा होती है तो वह मुआवजा पाने का अधिकारी है। वह उत्तरप्रदेश का निवासी हैं, उसके विरूद्ध आरोप था कि उसे 3 वर्ष की अबोध बालिका के साथ बलात्कार किया था साथ ही उनके विरूद्ध मर्डर का आरोप भी था। सुप्रीम कोर्ट ने बरी करते हुये कहा था कि प्रोसीक्यूशन संदेह से पर आरोप साबित करने में असमर्थ रहा है। और Moral Conviction जैसे शब्द कानून में स्वीकार नहीं हैं।

पिटीशन्स को बहस के लिये स्वीकार करते समय माननीय न्यायाधीश जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता पिटिशन की सुनवाई कर रहे थे; उन्होंने अटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमणी व सोलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने आग्रह किया कि इस मामले में कोर्ट को अपना सहयोग देंवे और उक्त तीनों राज्य सरकारों को सुनवाई को नोटिस की तामील करावें। नोटिस में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि 24 नवम्बर, 2025 तक इसकी तामील हो। रजिस्ट्रारों को यह भी निर्देष दिया है कि दोनों ही उच्च कानूनी अधिकारियों को एक सप्ताह में सूचना पिटीशन की कॉपी के साथ भेजी जावे।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने उपरोक्त मामले में जो प्रश्न उठाया है वह लोकतंत्र के लिये बहुत आवश्यक है। बिहार को हम जंगल राज्य कहते हैं, किन्तु उपरोक्त प्रसंग से ज्ञात होता है कि जंगल राज्य केवल एक राज्य में ही नहीं है अपितु देश भर में पुलिस की गंदी व नारकीय हरकत के एक नहीं कई उदाहरण मिलेंगे। कहने का यह अभिप्राय नहीं है सभी पुलिस वाले ऐसे ही होते हैं। देश ने कई घटनायें मिलेंगी जहां पर पुलिस के कार्यों पर हमें गर्व भी होता है; किन्तु लोकतंत्र में जहां व्यक्ति की स्वतंत्रता (mHeFcelepeue) को बहुत महत्व दिया है और संविधान के मूल अधिकारों में अनुच्छेद 21 में गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अवैध गिरफ्तारी को संवैधानिक मूल अधिकार का घोर उल्लंघन माना है। यहां तक की जमानत के मामलों में भी यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है 'Bail not Jail' की प्रक्रिया होनी चाहिये।

राम किरत गौड़ की रिट् पिटीशन में यह महत्वपूर्ण विवाद बिन्दु उठाया गया है कि यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से दोषी ठहराया गया है अेर वह जेल में अनाधिकृत प्रक्रिया से बंदी रहा है, क्योंकि केस की समस्त जांच कार्यवाही दोषपूर्ण और बनावटी (Fabricated) है तो क्या वह अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत राज्य से मुआवजा प्राप्त करने का अधिकारी है, क्योंकि यह मामला व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा मय जीवन के मूल अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में पिटीशनर ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती निर्णय का उल्लेख किया है, जिसमें Public Law Remedy के सिद्धान्त को माना है कि राज्य अवैध गिरफ्तारी व Miscariage of Justice होने पर, हर्जाने की आदायगी के हेतु उत्तरदायी है।

आईये, यहां हम पिटीशनर गौड़ के केस के तथ्यों और सुप्रीम कोर्ट की LHeokeâHeons पर और कोर्ट की तीखी टिप्पणी व समीक्षा पर भी विचार करें तो पायेंगे कि माननीय न्यायालय का निष्कर्ष, इतना दर्द भरा था जिसने न्यायाधीशों की अंतरात्मा को झकझोर दिया था।

अनाधिकृत, अवैध व अमान्य मुकदमें में फंसाने के कारण, जहां एक ओर न्याय का गला घोंट दिया जाता है वहीं दूसरी ओर आरोपी के परिवार को भूखा मरने की नौबत तक आ जाती है। परिवार के सदस्यों को नारकीय जीवन जीने के लिये मजबूर होना पड़ता है। ऐसे अनेक केस देश भर में हो रहे हैं। ऐसे अंकिचन, निस्सहाय, निराश्रय, भाग्यहीन व्यक्तियों को कैसे राहत दी जावे?

गौड़ को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302, 363, 376(2)(प) तथा 201 के तहत् दिनांक 8 मार्च, 2019 से निर्णय से दोषी पाया गया था। साथ ही उसके विरूद्ध धारा 4 व 8 Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 के आरोप भी थे उसे मौत की सजा दी गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश दिनांक 25.11.2021 से कन्वीक्शन व सजा को कन्फर्म किया था।

दिनांक 7 मई, 2025 के निर्णय से सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने अभिव्यक्त किया कि जांच अधिकारियों ने फर्जी गवाह बनाये, ताकि एक संवेदनात्मक (Sensational) प्रकृति के केस बनायें और केस की गुत्थी को जिसे वे सुलझा नहीं पाये थे, पर्दा डाल सकें। कोर्ट ने अपनी शहादत की समीक्षा में पाया कि पिटीशनर की गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि उसे दोषी होने के कोई सबूत ही नहीं थे। कोर्ट ने यहां तक कहा कि कुछ महत्वूपर्ण Forensic शहादत को जान-बूझकर पेश नहीं किया गया, जिससे यह आसानी से कयास लगाया जा सकता था कि केस में शहादत का सर्वथा अभाव है। याची ने अपनी पिटीशन में जोरदार शब्दों में आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र की पुलिस ने झूठी शहादत तैयार की थी। यहां तक कि रिकवरी मेमोज भी झूठे थे। माननीय कोर्ट का मानना था कि याची हर्जा प्राप्त करने का अधिकारी है क्योंकि उसके मौलिक (मूल) अधिकार का जो संविधान के अनुच्छेद 21 में दिया है, उल्लंघन हुआ था।

याची 3 अक्टूबर, 2013 को गिरफ्तारी किया गया था। वह 12 वर्ष तक जेल में बंद रहा और 19 मई को जेल से छूटा। उसे इस अवधि में अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया, उसे पैरोल (Parole) अथवा Furlough (अस्थायी रिहाई) का भी लाभ नहीं मिला। उसकी धर्मपत्नी सावित्री को जमीन और जेवरात गिरवी रखकर प्रार्थी का मुकदमा लड़ा। उसके दोनों लड़कों को पढ़ाई छोड़नी पड़ी और एक छोटी सी झौपडी में रहना पड़ा। उसने कर्जा लेकर एक रूम का मकान बनाया और 22,500/-रूपये का अन्य कर्जा लेकर बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया। वह 500/-रूपये प्रतिदिन की नौकरी कर रहा है।

अनाधिकृत, अवैध व अमान्य मुकदमें में फंसाने के कारण, जहां एक ओर न्याय का गला घोंट दिया जाता है वहीं दूसरी ओर आरोपी के परिवार को भूखा मरने की नौबत तक आ जाती है। परिवार के सदस्यों को नारकीय जीवन जीने के लिये मजबूर होना पड़ता है। ऐसे अनेक केस देश भर में हो रहे हैं। ऐसे अंकिचन, निस्सहाय, निराश्रय, भाग्यहीन व्यक्तियों को कैसे राहत दी जावे? इस पर देश के लॉ कमीशन ने भी अपना विचार किया और अपनी 277वी रिपोर्ट में सुझाव दिया कि Wrongful Prosecution के केस में पीड़ितों को उचित हर्जाना दिलाया जाना चाहिये तथा इस हेतु कानून (Statutory Scheme) बनाई जाना चाहिये, ताकि पीडित व्यक्तियों को कुछ तो न्याय मिल सके।

प्रस्तुत सम्पादकीय में केवल पिटीशनर गौड़ के केस के तथ्यों का उल्लेख है वस्तुतः सभी तीनों याचिका कर्त्ताओं के केस में विचार बिन्दु एक ही है।

प्रत्येक नागरिक ही नहीं अपितु देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है और यह अधिकार उसका मूल संवैधानिक अधिकार है। जीवन की रक्षा करना राज्य का कर्त्तव्य है।

Wrongful Prosecution के अतिरिक्त द्वेष, दुर्भावना (Malice) के कारण दायर की गई कार्यवाही अन्याय है और अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाना वकील (एडवोकेट) का कर्त्तव्य है। Malicious Prosecution के केस को कोर्ट फीस से मुक्ति मिलनी चाहिये।

पाठकों से निवेदन है कि Statutory Scheme में संशोधन के हेतु सुझाव लॉ कमीशन अथवा विधि एवं न्याय मंत्रालय को भेजें।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध, जागरूकता ही सुरक्षा है

7 नवंबर : राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

अशोक कुमार

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवंबर) एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है, जो लाखों लोगों के जीवन की रक्षा, उन्हें बेहतर उपचार दिलाने और इस रोग से जुड़ी भ्रांतियों व डर को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार ने वर्ष 2014 में इस दिन को आधिकारिक तौर पर मनाने की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम, और उपचार के बारे में जन-जन तक जानकारी पहुँचाना है।

दिवस का इतिहास और वैज्ञानिक आधार : 7 नवंबर की तारीख को चुनने के पीछे एक वैज्ञानिक प्रेरणा है। यह दिन महान वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम मैरी क्यूरी का जन्मदिन है, जिनका जन्म 7 नवंबर, 1867 को हुआ था। मैरी क्यूरी ने रेडियोधर्मिता की खोज की, जिसके आधार पर कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण पद्धति रेडियोथेरेपी (विकिरण चिकित्सा) का विकास हुआ। उनके इस अथक योगदान को सम्मानित करने और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में विज्ञान के महत्व को रेखांकित करने के लिए ही यह दिन चुना गया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस का मुख्य उद्देश्य:-

जागरूकता फैलाना: कैंसर के शुरुआती लक्षणों, कारणों और जोखिम कारकों के बारे में लोगों को शिक्षित करना।

डर कम करना: कैंसर को लाइलाज मानने के डर को दूर करना और यह बताना कि समय पर पता चलने पर इसका इलाज संभव है।

शीघ्र जांच के लिए प्रेरित करना: लोगों को नियमित जांच (स्क्रीनिंग) कराने के लिए प्रोत्साहित करना।

कैंसर: एक वैश्विक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य चुनौती : कैंसर बीमारियों का एक बड़ा समूह है, जिसमें शरीर की कोशिकाएँ अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। यह दुनिया भर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। भारत में भी, कैंसर के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जिससे यह एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है। पुरुषों में फेफड़े, प्रोस्टेट, और महिलाओं में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, और फेफड़े का कैंसर सबसे आम हैं। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस इस बात पर ज़ोर देता है कि लगभग एक-तिहाई कैंसर के मामलों को जीवनशैली में बदलाव करके रोका जा सकता है।

रोकथाम के प्रमुख उपाय:- तंबाकू का सेवन छोड़ना: तम्बाकू (धूम्रपान और चबाना) कैंसर का सबसे बड़ा रोके जाने योग्य जोखिम कारक है।

स्वस्थ आहार: फल, सब्जियाँ, साबुत अनाज और फलियाँ युक्त संतुलित आहार अपनाना। नियमित शारीरिक गतिविधि: व्यायाम द्वारा शरीर के वजन को नियंत्रित रखना। टीकाकरण: गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (HPV टीका) और लिवर कैंसर (Hepatitis B šerkeâe) जैसे कुछ कैंसर टीकाकरण से रोके जा सकते हैं।सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाव: त्वचा के कैंसर से बचने के लिए तेज धूप से बचना।

शीघ्र पहचान: समय पर निदान, सफल उपचार

कैंसर के इलाज की सफलता में सबसे महत्वपूर्ण कारक उसकी शीघ्र पहचान है। जब कैंसर शुरुआती चरणों में होता है, तो उपचार अधिक प्रभावी होता है। जागरूकता दिवस का मुख्य संदेश यह है कि लोग अपने शरीर में होने वाले छोटे से छोटे बदलावों को भी नज़रअंदाज़ न करें।

कैंसर के कुछ सामान्य चेतावनी संकेत:- शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन जो ठीक न हो।

लंबे समय तक ठीक न होने वाला घाव या छाला।

तिल या मस्से के आकार, रंग या बनावट में बदलाव।

लगातार खांसी या आवाज़ में बदलाव। असामान्य रक्तस्राव या डिस्चार्ज। बिना किसी कारण के वजन कम होना या अत्यधिक थकान।

इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना ज़रूरी है। कुछ कैंसर के लिए नियमित स्क्रीनिंग की सिफारिश की जाती है, जैसे महिलाओं के लिए मैमोग्राफी (स्तन कैंसर), पैप स्मीयर (गर्भाशय ठीवा कैंसर), और पुरुषों के लिए पीएसए टेस्ट (प्रोस्टेट कैंसर)।

एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध : राष्ट्रीय जागरूकता दिवस को एक सतत अभियान बनाने के लिए, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज (ISLS) ने वर्ष 2016 में "एक युद्ध कैंसर के विरुद्ध" अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और उपचार की जानकारी पहुँचाकर जन-जागरूकता फैलाना है।

पिछले नौ वर्षों में इस अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रमुख गतिविधियाँ: राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन: चिकित्सा वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों ने मिलकर कैंसर पर विचार-विमर्श किया। जागरूकता प्रदर्शनियाँ : कैंसर के कारण, लक्षण और रोकथाम पर जनसामान्य को सरल जानकारी दी गई। हस्ताक्षर अभियान: जनसहभागिता बढ़ाने और कैंसर-मुक्त समाज के संकल्प को सशक्त करने के लिए। चिकित्सीय जांच शिविर: कैंसर की प्रारंभिक पहचान के लिए निःशुल्क जाँच और परामर्श सुविधा प्रदान की गई।

लोकप्रिय व्याख्यान एवं टॉक शो: विशेषज्ञों ने आम जनता को जागरूक किया कि कैंसर से डरने की नहीं, बल्कि समझदारी से लड़ने की आवश्यकता है।

साहित्य और शोध प्रकाशन: आम जन की समझ के अनुरूप सरल भाषा में कैंसर पर आधारित लेख और पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गईं। इस जनजागरण अभियान में देशभर के अस्पतालों, चिकित्सकों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और सैकड़ों स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहयोग दिया है, जिससे यह एक साझा सामाजिक दायित्व बन गया है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस सिर्फ स्वास्थ्य सलाह देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करने का भी दिन है जो इस बीमारी से जूझ रहे हैं। कैंसर का उपचार एक लंबी और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण यात्रा होती है। सामाजिक बहिष्कार या भेदभाव की जगह, हमें उन्हें आशा और प्रेरणा देनी चाहिए। परिवारों, दोस्तों और समुदाय का सहयोग मरीज की उपचार प्रक्रिया और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निष्कर्ष और संदेश : -7 नवंबर का दिन हमें याद दिलाता है कि कैंसर एक अदृश्य दुश्मन हो सकता है, लेकिन हम जागरूकता, विज्ञान और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से इससे लड़ सकते हैं। कैंसर के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार हमारी जागरूकता ही है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज (ISLS) का यह अभियान आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक स्तर पर चलेगा, जिसका लक्ष्य है- हर नागरिक को जागरूक करना, हर घर को सुरक्षित बनाना, और समाज को कैंसर-मुक्त दिशा में आगे बढ़ाना। कैंसर के विरुद्ध यह संघर्ष केवल डॉक्टरों या वैज्ञानिकों का नहीं, बल्कि हम सबका साझा दायित्व है। जागरूक बनें, सुरक्षित रहें - यही जीवन का सबसे सुंदर संदेश है। जागरूकता ही सुरक्षा है।

-अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर ,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
प्रेसिडेंट इंटरनेशनल सोसाइटी
ऑफ लाइफ साइंसेज जयपुर

क्या बुजुर्गों के सहारे चलेगा भारत या युवाओं के दम पर ?

सुनील दत्त गोयल

आज मैं पूरे देश का ध्यान एक ऐसे सामाजिक सरोकार की ओर दिलाना चाहता हूँ, जहाँ अक्सर यह कहा जाता है कि भारत नवयुवकों का देश है। परंतु क्या वाकई ऐसा है? सच यह है कि भारत अब तेज़ी से बुजुर्गों की संख्या बढ़ाने वाले देशों की क़तार में शामिल हो गया है। आने वाले 10-15 वर्षों में हमारे सामने बुजुर्ग आबादी विस्फोटक रूप से बढ़ेगी। यह केवल जनसंख्या का मामला नहीं होगा, बल्कि एक गहरी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्या के रूप में सामने आएगा। सवाल यह है कि क्या भारत भविष्य में युवाओं के दम पर आगे बढ़ेगा या बुजुर्गों के सहारे लड़खड़ाएगा?

युवाओं से छिनी जगहें: बुजुर्गों के लिए नई कुर्सियाँ

दावा यह है कि भारत की सबसे बड़ी ताक़त उसकी युवा आबादी है। लेकिन व्यवहार में हो रहा यह है कि बड़ी संख्या में रिटायर अफ़सर, नौकरशाह और कॉर्पोरेट अधिकारी सेवानिवृत्ति के बाद भी विभिन्न संगठनों, बोर्डों सामाजिक संस्थाओं,वॉलंटरी ऑर्गेनाइजेशंस, क्लब्स और समितियों में उच्च पदों पर बने रहते हैं। युवाओं को मौका देने की बजाय, वही बुजुर्ग फिर से कुर्सियों पर बैठ जाते हैं। अनुभव के नाम पर उनकी वापसी को सही ठहराया जाता है, मगर असल में यह प्रवृत्ति नवाचार और नई सोच को रोकने का काम करती है। जब लाखों योग्य और शिक्षित युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है, तब वही पद दोबारा बुजुर्गों के खाते में जाना क्या न्यायसंगत माना जा सकता है? यह युवाओं के लिए बेहद निराशाजनक संदेश है कि यहाँ कुर्सी छोड़ने की कोई परंपरा ही नहीं।

हम किस ज्वालामुखी पर बैठे हैं : स्वास्थ्य सेवाओं और जीवन स्तर में सुधार से बुजुर्गों की औसत आयु बढ़ रही है। यह स्वाभाविक प्रगति है, लेकिन हमारे पास इस बढ़ती आबादी के लिए आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। न पर्याप्त अस्पताल हैं, न वृद्ध-आश्रमों की व्यवस्था है, और न ही उचित मूल्य पर ओल्ड एज होम। हम मानो किसी ज्वालामुखी पर बैठे हैं, जो अगले 10-15 वर्षों में कभी भी फट सकता है। अचानक हमें यह अहसास होगा कि युवा आबादी घट रही है और बुजुर्गों की संख्या बढ़ गई है। देश का आधारभूत ढाँचा- चाहे अस्पताल हो, नर्सिंग स्टाफ हो या स्वास्थ्य सेवाएँ-सीनियर सिटिज़न्स की इस लहर को सँभालने की स्थिति में बिल्कुल सक्षम नहीं है।

जनसंख्या से जनशक्ति तक- अब उल्टा सफ़र : कभी हमने गर्व से कहा था कि हमारी जनसंख्या ही हमारी जनशक्ति है। लेकिन आज वही जनसंख्या हमारे लिए दबाव का कारण बन गई है। यदि उद्योग-घराने, बिल्डर और सरकार अभी से सतर्क नहीं हुए तो आने वाले वर्षों में हालत यह होगी कि न तो पर्याप्त मेडिकल सुविधाएँ होंगी और न ही नर्सिंग स्टाफ। सामाजिक असंतुलन मानो किसी फूटे हुए बर्तन की तरह बिखरने लगेगा।

मोहन भागवत जी की चेतावनी और भारत का भविष्य : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत जी का हालिया बयान इस संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है। उन्होंने युवा दंपतियों से तीन बच्चे पैदा करने का आठाह किया है। पहली दृष्टि में यह विचार हास्य या राजनीति से जुड़ा हुआ लग सकता है, लेकिन गहराई से देखने पर स्पष्ट होता है कि यह राष्ट्रहित और भारत के दीर्घकालिक भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। भारत की जनसांख्यिकी के आंकड़े बताते हैं कि देश का टोटल फर्टिलिटी रेट अब 1.9 तक गिर चुका है। जबकि रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 है- अर्थात जितने लोग प्राकृतिक कारणों से समाज से विदा होते हैं, उतने नए जन्म होने चाहिए। यदि लगातार गिरता रहा तो आने वाले दशकों में भारत में युवा कार्यबल की संख्या घट जाएगी और बुजुर्ग आबादी का दबाव बढ़ेगा।

भागवत जी की यह अपील केवल बयानबाजी नहीं है। यह एक गंभीर रणनीतिक सोच का हिस्सा है। यदि भारत को भविष्य में मजबूत राष्ट्र बने रहना है तो सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। केवल हम दो हमारे दो जैसी नीतियों से देश को नुकसान हुआ है। अब जरूरत है कि परिवारों को इंसेंटिव दिए जाएं- अच्छी और सस्ती शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग, बच्चों के पालन-पोषण में आर्थिक सहायता , तीन बच्चों वाले परिवारों के लिए विशेष योजनाएँ इन प्रोत्साहनों से ही लोगों में यह भावना विकसित होगी कि अधिक बच्चे पैदा करना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा है।

जनसंख्या और सामाजिक चुनौतियाँ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दिए गए जनसंख्या संतुलन संबंधी बयानों ने एक बहस को जन्म दिया है। प्रश्न उठता है कि आज लोग अधिक बच्चे क्यों नहीं पैदा कर रहे? इसके पीछे मुख्य कारण हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि आरक्षण के लाभ समाज के एक ही वर्ग तक सीमित रह गए हैं, जिससे समान अवसर का अधिकार प्रभावित हो रहा है। सामान्य वर्ग और अन्य वंचित तबकों में निराशा का भाव बढ़ा है, जिसके कारण भी लोग परिवार नियोजन की ओर झुक रहे हैं।

आरक्षण पर गहरी बहस की ज़रूरत : यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले वर्षों में किसी भी सरकार की हिम्मत और ज़ुर्रत इतनी नहीं होगी कि वह आरक्षण नीति में बड़े बदलाव कर सके। अनुसूचित जाति और जनजाति में भी केवल कुछ वर्ग ही लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। परिणामस्वरूप, एक बार एक व्यक्ति आरक्षण का लाभ लेकर नौकरी लगने के बाद भी बार-बार पदोन्नति और अवसर मिलने से और उनकी आने वाली पीढ़ियों तक यह लाभ उनको मिलता रहता है जबकि वास्तव में उन्हीं की जाति के पिछड़े वर्ग में बहुत से ऐसे परिवार हैं जिनको कभी भी सरकारी नौकरी नहीं मिली। इसलिए अन्य वर्ग के लोग अपने मूल अधिकारों से वंचित महसूस कर रहे हैं। यह विसंगति भी देश के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों,संविधान का उल्लंघन है और युवाओं में कभी भी इस बात को लेकर भी आक्रोश भड़क सकता है या बाकी लोग या विदेशी ताकतें उनको भडकाने की कोशिश भी कर सकते हैं तो सरकार को भी समय रहते इसमें बदलाव करना चाहिए और चौकस रहना चाहिए ।

इसके साथ ही सबसे बड़ा खतरा एट्रोसिटी एक्ट के दुरुपयोग से है। इसके दुष्परिणाम स्वरूप आज कोई भी व्यक्ति सच बोलने से डरता है। हिंदू समाज में भी दूरियाँ बढ़ गई हैं। हिंदुओं को भी अलग-अलग जातियों में बाँट दिया गया है और उनके ऊपर एट्रोसिटी एक्ट का डर लगाया गया है।

समाज और धर्म का जुड़ाव: जाति और धर्म को अलग-अलग देखने की प्रवृत्ति ने भी समाज में दूरी बढ़ाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि संतुलन और समानता बनाए रखने के लिए धर्म और सामाजिक नीतियों में सामंजस्य स्थापित करना आवश्यक है।

भारत की वर्तमान स्थिति : आज देश के 18 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहाँ ऊर्इ रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे है। दिल्ली में यह दर 1.2 तक सिमट चुकी है, जबकि बिहार जैसे राज्यों में यह 2.8 है। शहरी क्षेत्रों की स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों से कहीं अधिक चिंताजनक है। शहरों में ऊर्इ 1.6 तक गिर गया है, जबकि गांवों में यह अभी भी 2.1 के करीब है। यही ग्रामीण समाज आज भारत के जनसंख्या संतुलन को संभाले हुए है।

सामाजिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य

यह भी ध्यान देने योग्य है कि 1950 से 2015 के बीच हिंदू समाज की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, जबकि मुस्लिम समाज की दर अपेक्षाकृत अधिक रही है। इसके अलावा, कुछ राज्यों में अवैध घुसपैठ भी जनसांख्यिकीय असंतुलन का कारण बनी है। यह पहलू राजनीति से जुड़ा हुआ लग सकता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि किसी भी देश की स्थिरता उसके सामाजिक संतुलन पर टिकी होती है।

धर्मांतरण और अवैध घुसपैठ किसी भी देश का जातीय संतुलन बिगाड़ने के लिए पर्याप्त हैं। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया कभी हिंदू राष्ट्र था, और लेबनान, जिसे मिडल ईस्ट का पेरिस कहा जाता था, आज वहाँ इस्लाम धर्म और आतंकवाद की जड़ें कितनी गहरी हैं, यह वर्तमान हालात देखकर समझा जा सकता है।

यदि भारत में इन दोनों मुद्दों- धर्मान्तरण और अवैध घुसपैठ-पर कठोर नियंत्रण और कार्रवाई नहीं होगी, तो देश का जातीय संतुलन बिगड़ना तय है। जब यह संतुलन जाति या धर्म के आधार पर प्रभावित होगा, तो राजनीतिक भूचाल अत्यंत गंभीर होगा और विदेशी ताकतें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत की सत्ता में दखल देने लगेंगी, जैसा कि हमने पहले अनुभव किया है और जिसके परिणाम आज हम भुगत रहे हैं।

आर्थिक और सामाजिक चुनौतियाँ

यदि जन्मदर घटती रही तो काम करने वाले हाथों की कमी के कारण भारत का डेमोग्राफिक डिविडेंड धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा, बुजुर्गों के पालन-पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव बढ़ेगा। छोटे परिवार रिश्तों की पारंपरिक संरचना को भी कमजोर करेंगे। चीन में चार-दो-एक मॉडल (चार दादा-दादी, दो माता-पिता और एक बच्चा) इसका स्पष्ट उदाहरण है।

समस्या केवल अस्पताल और रोजगार तक सीमित नहीं है। जब औसत आयु बढ़ रही है और परिवार छोटे होते जा रहे हैं, तो सामाजिक रिश्तों का स्वरूप भी बदल रहा है। एक पीढ़ी पहले तक दादा-दादी, चाचा-मामा, बुआ-फूफा परिवार का अभिन्न हिस्सा थे। लेकिन आने वाली पीढ़ी के लिए यह रिश्ते शायद केवल किताबों तक सीमित रह जाएँगे। नौकरी की कमी और छोटे परिवार मिलकर समाज की जड़ों को खोखला बना रहे हैं। आने वाला भारत केवल इंडिविजुअल्स का देश बन सकता है, जहाँ रिश्ते और सामाजिक ताना-बाना अतीत की कहानियाँ बन जाएँगे।

क्या रास्ता है आगे का?

1. पोस्ट-रिटायरमेंट पर नीतिः ज़रूरी है कि सेवानिवृत्त लोगों की नियुक्तियों पर सीमा तय हो। उन्हें सीधे कार्यकारी पदों पर दोबारा न रखा जाए।

2. मेंटॉर की भूमिकाः वरिष्ठ नागरिकों को सलाहकार के रूप में काम करना चाहिए ताकि अनुभव भी बहे और युवाओं को भी पूरा अवसर मिले।

3. सुविधाएँ और ढाँचाः सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर वृद्ध स्वास्थ्य सेवाएँ, नर्सिंग स्टाफ और रहने की व्यवस्था अभी से तैयार करनी होगी।

4. रोज़गार संतुलनः संस्थानों में पहला अवसर युवा को सिद्धांत लागू होना चाहिए। इससे युवाओं में विश्वास जगेगा और नवाचार की राह खुलेगी।

5. जनसंख्या नीति का पुनर्मूल्यांकनः हम दो हमारे दो जैसे नारों से आगे बढ़कर अब ऐसे इंसेंटिव दिए जाएँ कि परिवार अधिक बच्चों के लिए प्रेरित हों।

निष्कर्षः सम्मान की असली परिभाषा : वरिष्ठ नागरिक निस्संदेह देश की पूँजी हैं, लेकिन उनका असली सम्मान बार-बार एक ही कुर्सी पर बैठाकर नहीं बल्कि समाज को मार्गदर्शन देकर होता है। अगर रिटायर लोग अपनी जगह युवाओं को दें और खुद मेंटॉर बनकर दिशा दिखाएँ, तो यही उनकी अगली पीढ़ी के प्रति सबसे बड़ी सेवा होगी। भारत का भविष्य युवाओं के कंधों पर है। यदि हम उन्हें स्थान और अवसर नहीं देंगे तो यह नवयुवकों का देश केवल एक नारा रह जाएगा, हकीकत नहीं।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रेवार 7 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:33 तक, परिघ योग रात्रि 10:27 तक, गर करण दिन 11:06 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 12:33 तक है। भद्रा रात्रि 9:19 से आरम्भ होगी। आज रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:06 तक, लाभ-अमृत 8:06 से 10:49 तक, शुभ 12:10 से 1:32 तक, चर 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:36 तक

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

विधायक ताराचंद जैन ने नए विकास कार्यों की प्रगति पर की चर्चा

उदयपुर, (कासं)। शहर विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए के अधिकारियों को शहर में चल रहे विकास कामों को लेकर चर्चा की और जो काम शहर में चल रहे है उनको तय समय में करने के निर्देश दिए। इस दौरान विशेष रूप से शहर में सड़कों के विस्तारीकरण के साथ-साथ नई सड़कों और बोटलनेक भी चर्चा की।

उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए आयुक्त राहुल जैन औन यूडीए के अधिकारियों से शहर विधानसभा में चल रहे विकास कामों को लेकर चर्चा की। ठोकर चौराहे के विस्तारीकरण को लेकर पूर्व में किए दौरे और निर्णयों के बारे में चर्चा करने पर अधिकारियों ने बताया कि चौराहे पर विद्युत लाईनों को हटाने के लिए विद्युत

उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने यूडीए अधिकारियों से नए विकास कामों की प्रगति पर चर्चा की।

■ **नई सड़कें खुलेंगी और अतिक्रमण हटाया जाएगा**

विभाग से डिमांड जारी करवाने की प्रक्रिया की जा रही है, जो करीब एक सप्ताह में हो जाएगा। विधायक जैन का कहना है कि इस चौराहे को भी दुर्गानर्सरी की तरह ही विस्तारीरण किया जाएगा। इसी तरह विश्वविद्यालय मार्ग से शोभागपुरा रोड तक चौराहे के विस्तारीकरण के बारे में पूछने पर अधिकारियों ने बताया कि यहां पर भी विद्युत विभाग से डिमांड जारी करवाने की प्रक्रिया की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया एक सप्ताह मे हो जाएगी। विधायक जैन का कहना है कि इस मार्ग पर विद्युत खंभे और ट्रांसफार्मर को हटाने के बाद ही सड़क का विस्तारीकरण किया जाएगा और शोभागपुरा वाले मोड पर एक बडा चौराहा बनेगा ताकी यहां पर जाम की समस्या समाप्त हो सकें। इसी तरह शोभागपुरा रोड पर जूडियों के सामने बन रहे चौराहे के बारे में विधायक जैन ने पूछा तो अधिकारियों ने बताया कि आगामी दो माह से पहले-पहले यहां पर चौराहे के विस्तारीकरण का काम पूरा हो जाएगा। विधायक जैन ने पुरोहितों के तालाब वाली रोड पर मार्किंग के बारे में पूछा तो अधिकारियों ने बताया कि हाईवे से पुरोहितों के तालाब तक सड़क को शीघ्र ही सही कर चौडी की जाएगी। कुम्हारों का भट्टा रेलवे लाईन के दोनों ओर लिंक रोड के बारे में विधायक ताराचंद जैन को यूडीए के अधिकारियों ने बताया कि इसमें एक तरफ तो लिंक रोड बनाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। दूसरी ओर कुम्हारों के भट्टे से होती हुई गुरूरामदास कॉलोनी होते हुए छोटी नोखा और बडी नौखा से होते हुए माली कॉलोनी सौ फीट रोड तक की लिंक रोड काम शीघ्र शुरू किया जाएगा। विधायक ताराचंद जैन ने बताया कि नेहरू हॉस्टल के बाहर लिंक रोड का काम नए वीसी का सहमति पत्र मिलत ही दो सप्ताह में काम शुरू किया जाएगा। सुविवि के प्रकाश द्वारा के पास न्यू आरटीओ पर आ रहे बोटलनेक को लेकर शहर विधायक ताराचंद जैन का कहना है कि नए वीसी से चर्चा के बाद इसे भी शुरू करवा दिया जाएगा।

इसी तरह पुराना शोभागपुरा में जूडियों शोरूम के सामने से बेकनी पुलिया तक रोड बनाने पर यूडीए के अधिकारियों ने शहर विधायक ताराचंद जैन को बताया कि काम चल रहा है और कृषि विवि की जमीन कोछोड़ शेष पर सड़क बनाने का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सराड़ा थाना क्षेत्र में जीप ने राह चलते युवक को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सराड़ा थाना क्षेत्र बोकला बिच्छीवाड़ा डुगरपुर निवासी बाबुलाल पुत्र प्रभूलाल मीणा की जीप की चपेट में आने से मौत हो गई। 5 नवंबर शाम बाबूलाल मीणा सराड़ा गांव में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस घर लौटने के लिए पैदल पैदल सराड़ा से चावण्ड रोड़ पहुंचे।

इसी दौरान सराड़ा की तरफ से आ रही जीप ने पीछे से टक्कर मार दी। हदसे में गंभीर घायल होने पर उन्हें उपचार के लिए सराड़ा चिकित्सालय ले गए। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय ले गए तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

साइबर अपराधों की रोकथाम व जागरूकता पर कार्यशाला शुरू

उदयपुर, (कासं)। पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव के निर्देशन में उदयपुर रेंज पुलिस द्वारा रेंज स्तर पर यूनिसेफ राजस्थान के सहयोग से संचालित पुलिसिंग फॉर केयर ऑफ चिल्ड्रन कार्यक्रम के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम पर पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला गुरुवार को पेसिफिक विश्वविद्यालय के पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी' के सभागार में शुरू हुई।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एएसपी हर्ष रत्नू के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में जयपुर से आए साइबर विशेषज्ञों ने आज के दौर में सोशल मीडिया के बढते उपयोग से साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या, साइबर अपराध के अलग-अलग तरीके और ऐसे मामलों में पुलिस कर्मियों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराध व साइबर फ्रॉड पर अंकुश लगाने के तकनीकी पहलू और इस अपराध पर लगान कसने के लिए बनाए गये नये कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह अपराध करने वाला व्यक्ति तकनीक का इस्तेमाल करता है तो हमं भी तकनीक का बेहतर इस्तेमाल कर ऐसे अपराधों को रोकते हुए स्मार्ट पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत कर सकते है। साइबर एक्सपर्ट अक्षय उपाध्याय ने इंटरनेट पर विभिन्न वेबसाइट, वेबपोर्टल और सोशल मीडिया यथा फेसबुक, वाट्सअप, इंस्टाग्राम आदि के जरिए होने वाले साइबर फ्रॉड के तरीके और उनकी पहचान करने संबंधी तकनीकी जानकारी दी।

तीन बच्चे लापता

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना पुलिस ने तीन नाबालिगों के लापताहोने पर प्रकरण दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र मगरा बस्ती मनोहरपुरा निवासी पंकज दास (13) पुत्र राजुदास रंगास्वामी जो दुबला पतला होकर काली टीशर्ट व गेहुंआ रंग की पेंट पहने एवं विशाल्दास (10) पुत्र अशोक दास रंगास्वामी निवासी मगरी बस्ती मनोहरपुरा बडगांव छोटा कद,रंग गेहुआ काली टी शर्ट, काल नेकर पहने है तथा सूरज दास (13) पुत्र जगदीश दास रंगास्वामी रंग सांवला, दुबला पतला बदन, काली टी शर्ट व काली जिंस पेट पहने है। जो तीनों बच्चे बुधवार को अपने अपने घर से छोटी साईकिल लेकर निकले थे जिन्हें परिजनों ने अंतिम बाद सहेलियों की बाड़ी के पास देखा था। शाम को घर नहीं लौटने पर उनकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं मिलने पर बडगांव पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया है।

बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 संपन्न

उदयपुर। पाहेर विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में आयोजित अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 का सफल आयोजन हुआ। कुलपति हेमंत कोठारी ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संकाय अध्यक्ष दिलेंद्र हीरन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. हेमंत पंड्या, डॉ. अनुराग मेहता और कॉलेज प्राचार्य डॉ सीमा कोठारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सभी खेल अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद थे।

प्रतियोगिता में रेफरी एन.आई.एस. कोच सोयल मेहता, बलवंत सिंह, रानू पोरवाल तथा प्रकाश जी द्वारा किया गया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में मनोज कुमार प्रथम, जानेश अठावाल द्वितीय तथा रजत तृतीय स्थान पर रहे, जबकि महिला वर्ग में ध्रुवी प्रथम, माहि द्वितीय और युक्ति तृतीय स्थान पर रहीं। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में भूपेंद्र प्रथम, देवेश मेघवाल द्वितीय देवेश मेहता तृतीय स्थान पर तथा संचालन चंद्रेश सोनी व शक्ति सिंह ने तथा धन्यवाद डॉ.पारस टाक ने ज्ञापित किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत समीजा, पंचायत समिति गोगुन्दा, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:ग्रापस/ई-निविदा/2025-26/68 दिनांक: 6.11.2025

ई-निविदा सूचना 04/2025-26

ग्राम पंचायत समीजा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 17.11.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajathan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. ZUD2526GLOB02377

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत- समीजा	ग्राम पंचायत- समीजा
पं.स.-गोगुन्दा, जिला-उदयपुर (राज.)	पं.स.-गोगुन्दा, जिला-उदयपुर (राज.)

पांच सौ परिचालक पदों के लिए हुई परीक्षा

उदयपुर, (कास.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा परिचालक भर्ती परीक्षा के लिए 500 पोस्ट के लिए गुरुवार को प्रदेश में परीक्षा हुई। इसके लिए उदयपुर शहर में 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए जहां 5064 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड थे। उदयपुर में 49.59 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।

बता दें कि राजस्थान में परीक्षा में कुल 1 लाख 12 हजार अभ्यर्थी रजिस्टर्ड थे। प्रदेश में 14 जिलों में कुल 370 परीक्षा केंद्र बनाए गए। यह भर्ती परीक्षा कुल 500 पदों के लिए हो रही है। इसमें 454 पद गैर अनुसूचित क्षेत्र और 46 पद अनुसूचित क्षेत्र के लिए हैं। परीक्षार्थियों को 10 बजे तक केंद्र में प्रवेश दिया गया। वहीं सुबह 11 बजे से परीक्षा शुरू हुई दोपहर 1 बजे समाप्त हुई।परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा से दो घंटे पहले सुबह 9 बजे से ही प्रवेश देना शुरू कर दिया गया था। सुबह 10 बजे गेट बंद कर दिए गए थे। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। एंट्री से पहले पुलिसकर्मियों ने आईडी कार्ड और एडमिट कार्ड चेक किया। शहर में कई सेंटर्स पर परीक्षार्थी के हाथों पर बंधे धागों को काट दिया गया। सभी की मेटल डिटेक्टर से स्केनिंग की गई। मोबाइल फोनए ब्लूटूथ डिवाइसए इयरफोन समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को बाहर ही जमा करवा लिया गया। परीक्षा हॉल के अंदर सीसीटीवी कैमरों से पल.पल की निगरानी की गई ताकि नकल या किसी भी तरह की अनियमितता को तुरंत रोका जा सके।परीक्षा केंद्र ढूंढने में दिक्कत नहीं हो इसके लिए बोर्ड ने एक नई सुविधा के तहत अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड के साथ एक विशेष लिंक दिया। इसको स्कैन कर वे आसानी से एग्जाम सेंटर तक पहुंच गए।

कार्यालय ग्राम पंचायत दादिया, पंचायत समिति गोगुन्दा, जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:ग्रापदा/ई-निविदा/2025-26/69 दिनांक: 3.11.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-26

ग्राम पंचायत दादिया में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 13.11.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajathan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. ZUD2526GLOB02371

प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत-दादिया	ग्राम पंचायत-दादिया
पं.स.-गोगुन्दा, जिला-उदयपुर (राज.)	पं.स.-गोगुन्दा, जिला-उदयपुर (राज.)

प्रतियोगिता का परिणाम जारी

कपासन, (निसं)। नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी ललित सिंह देथा ने बताया कि नगर पालिका कपासन द्वारा दीपावाली के उपलक्ष में जनसहभागिता बढ़ाने एवं दीपावली पर्व को भव्य बनाने के लिए कुल दो श्रेणियों में साज सजावट प्रतियोगिता आयोजित की गई। तथा सर्वश्रेष्ठ सजावट के लिए विजेताओं के चयन हेतु कमेटी का गठन किया गया। उक्त कमेटी द्वारा बाजार सजावट व निजी प्रतिष्ठान श्रेणी में पालिका में प्राप्त आवेदनों अनुसार निरीक्षण कर संयुक्त हस्ताक्षिरत रिपोर्ट प्रस्तुत की है। चयन कमेटी की रिपोर्ट अनुसार बाजार सजावट श्रेणी में प्रथम सुरेश माली, द्वितीय ओमप्रकाश सोनी,तृतीय न्यू सत्यम इवेंट प्रो.अंकित खटीक तथा निजी प्रतिष्ठान श्रेणी में प्रथम पंजाब साईकिल स्टोर प्रो.चंदीप बग्गा, द्वितीय गंगा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फर्नीचर प्रो. भगवती लाल आचार्य, तृतीय कैलाश चाट एंड आईसक्रीम प्रो. गोपाल लाल तेली रहे है।

यूएसएफडीए द्वारा प्रमाणित अत्याधुनिक रोबोट से नी रिप्लेसमेंट सर्जरी शुरु

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए वेलिस रोबोटिक- एसिस्टेड सोल्यूशन के माध्यम से सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की शुरुआत की गयी है। यह अत्याधुनिक तकनीक बिना किसी प्री-ऑपरेटिव सीटी या एमआरआई स्कैन के सर्जरी को और अधिक सटीक, सुरक्षित और व्यक्तिगत बनाती है।

गीतांजली हॉस्पिटल के अनुभवी ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रामावतार सैनी और डॉ. हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने इस रोबोट की मदद से सफल सर्जरी कर यह सिद्ध किया है कि अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान को विश्वस्तरीय ऑर्थोपेडिक केयर की सुविधा गीतांजली हॉस्पिटल में मिलेगी।इस अवसर पर गीतांजली ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने कहा हमारा विजन सदैव यही रहा है कि प्रदेश ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राजस्थान के प्रत्येक नागरिक को विश्वस्तरीय, अत्याधुनिक स्वास्थ्य

यूएसएफडीए द्वारा प्रमाणित अत्याधुनिक रोबोट से नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की शुरूआत हुई।

सेवाओं का लाभ उनके अपने राज्य में ही मिले। गीतांजली हॉस्पिटल ने हमेशा चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली सेवाओं को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

इसी कडी में 'वेलिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम' का समावेश हमारे इस संकल्प को और भी सशक्त बनाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वेलिस रोबोटिक तकनीक के साथ, गीतांजली हॉस्पिटल ने यह सिद्ध कर दिया है कि अब उदयपुर में भी देश के किसी बडे महानगर जैसी उन्नत और परिष्कृत चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अब प्रदेश के मरीजों को अत्याधुनिक उपचार के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी – श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाएँ अब उनके अपने शहर, अपने प्रदेश में ही साकार हो रही हैं। यह तकनीक वर्तमान में भारत के केवल चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में ही उपलब्ध है।

किसान की हार्ट अटैक से मौत

उदयपुर, (कासं)। जावरमाइन्स थाना क्षैत्र में किसान की हार्ड अटैक से मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जावरमाइन्स थाना क्षैत्र नेवा तलाई फला वडाघरा निवासी केशुलाल पुत्र गोगाजी (58) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रात में अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उपचार के लिए जावरमाइंस चिकित्सालय ले गए।

गांजा खरीदने व बेचने वाले दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। घंटाघर थाना पुलिस ने अवैध गांजा बेचने के मामले में फरार अरोपी व बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 8 अप्रेल 25 को आम्बामाता थानाधिकारी ने एकलव्य कॉलोनी में एक मकान से विशाल, विजय, दिनेश और किशन के कब्जे से 55 किलों अवैध गांजा बरामद किया था। उक्त गांजा मुख्य आरोपी हितेश कोटडा से खरीद कर लाया था। जो पुलिस कार्यवाही के बाद से फरार था। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उपाधीक्षक कैलाशचंद्र के सुपरविजन में घंटाघर थाना अधिकारी कर्मवीरसिंह, कोटड़ा थाना अधिकारी मुगलाराम, सहायक उप निरीक्षक कोटड़ा प्रवीणसिह मय दल ने कार्यवाही करते हुए अवैध गांजा खरीद फरोख्त मामले में मुख्य आरोपी हितेश पुत्र अनिल निवासी एकलव्य कॉलोनी अम्बामाता तथा राणा पुत्र मणसी निवासी उपली जोंगीवड अम्बामाता एवं नरेश पुत्र नाथाराम निवासी गोपीपला कोटडा को गिरफ्तार किया।

13 वर्ष बाद देवू बाई को मिली बिजली की सौगात

■ **प्रशासन ने जनसहयोग से जुटाई राशि, लगवाया बिजली मीटर**

बांसवाड़ा, (निसं)। मुख्य सचिव के आदेशानुसार घाटोल ब्लॉक राज्य स्तरीय जनसुनवाई में जुड़ा। जिसमें ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी मनसुख डामोर को विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में परिवाद प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में 50 वर्षीय विधवा महिला देवू पत्नी स्व. शांति जोगी ने घरेलू बिजली कनेक्षन के लिए परिवाद प्रस्तुत किया।

परिवादी ने बताया कि उसके पति शांति जोगी की सडक दुर्घटना में वर्श 2009 में मृत्यु हो गयी है एवं पति के निधन के बाद देवू की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से मजदूरी कर दो पुत्रियों तथा एक पुत्र के पालन-पोशण की जिम्मेदारी आने से बिजली बिल का भूगतान नहीं करने से 2011 में ही बिजली कनेवशन कट गया। तब से उसका परिवार बिना रोषनी के 13 वर्श तक अंधेरें में रहने के लिए मजबूर है। जनसुनवाई के प्रभारी अधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों से डिमांड राशि निकलवायी लेकिन देवू बाई की कमजोर माली हालत के कारण डिमांड राशि जमा नहीं करवा पायी। उपखण्ड अधिकारी की प्रेरणा से जनसुनवाई में मौजूद विकास अधिकारी धनपत सिंह राव, घाटोल तहसीलदार हाबुलाल मीणा, ग्राम पंचायत सवनिया प्रशासक कंचन देवी, पटवारी जितेन्द्र सिंह शक्तावत, ग्राम विकास अधिकारी सवनिया मनिश प्रजापति, पीईईओ लोकेष शर्मा, पशुधन सहायकषांतिलाल निनामा, सुचना सहायक गुलाम रसूल, कनिष्ठ सहायक बातुल बानु मंसुरी तथा ग्रामीणों एवं भामाषाह धीरज पाठक, मुकेष पंचाल, भोपाल सिंह, सुमित पटेल, पवन डोडियार ने देवू बाई के लिए तत्काल सहयोग राषि जुटाकर डिमांड राषि जमा करायी। बिजली विभाग घाटोल ने प्रक्रिया पूर्ण कर हाथों-हाथ घरेलू बिजली कनेक्शन जारी कर बिजली मीटर लगाकर विद्युत सुचारू रूप से चालू कर दी। उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि जिला गुड गर्वनेंस में श्रेष्ठ जिलें के रूप में सम्मानित हुआ है तथा जिला कलक्टर के मार्गदर्शन और निर्देषन में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में परिवादी को संवेदनशील पूर्वक राहत देने का कार्य किया जा रहा है।

पुष्पांजलि कार्यक्रम कल

बांसवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव ने प्रस्तावित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए नियुक्त जिला प्रभारियों की बैठक लेते हुए कार्यक्रमों पर चर्चा कर निर्देश दिये। बैठक में बताया कि 8 नवम्बर को शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं पुलिस बैण्ड द्वारा वंदे मातरम् गायन, जिला स्तर पर सांस्कृतिक संध्या वंदे मातरम् थीम पर हरिदेव जोशी रंगमंच पर होगी। इसी दिन जिले के समस्त विद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन होंगा वहीं ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर वंदे मातरम् 150 कार्यक्रम के आयोजन की कड़ी में विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता एवं एक स्थान, एक समय, एक गीत-वंदे मातरम् थीम पर सामूहिक गायन, रन, रैली और सामूहिक सेवाकार्य होंगे। जिले के समस्त विद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के सामुहिक गायन व चित्रकला, रंगाली आदि प्रतियोगिता, एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा समाजिक/स्व्यंसेवी संगठनों के सहयोग से स्वच्छता अभियान एवं रक्तदान शिविर, स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान किया जाएगा।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर: DEV/UDAIPUR/TRUST/2025/164

चूंकि प्रार्थी श्री मोहन लाल, कोलर सुरखण्ड का खेड़ा तहसील सेमारी सलुम्बर राजस्थान में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ग्राम विकास कमेटी कोलर, कोलर सुरखण्ड का खेड़ा तहसील सेमारी सलुम्बर राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए यह आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आजदिनांक 27.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 07/01/2026

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, उदयपुर

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक /न.पा.ना./69 क/2025/13860 दिनांक : 4.11.25

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पति पर 60 ए का फ्री होल्ड पट्टे का आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	आवेदित सम्पत्ति का पता एवं माप	पड़ौस पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री ईस्माईल मेवाफरोश/स्व. अब्दुल कादर	नया मौहल्ला, नाथद्वारा भूखण्ड क्षैत्रफल 476.50 वर्गफीट	आबीद हुसैन का मकान	अब्दुल शहीद का मकान	बरसाती गली	आम रास्ता

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल व चाकू बरामद

उदयपुर, (कासं)। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने फायरिंग के मामले में फरार हिस्ट्रीशिटर सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से पिस्टल व चाकु बरामद किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन मं हाथीपोल थानाधिकारी राजुदेवी राज, के नेतृत्व में एएसआई शंभूसिंह, मो. अतहर, कांस्टेबल धर्मपाल, जिला स्पेशल टीम प्रभारी विक्रम सिंह एएसआई मय टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हाथीपोल क्षैत्र में गत दिनों फायरिंग करने के मामले में फरार आरोपी हिस्ट्रीशिटर शोएब उर्फ पहलवान पुत्र एजाज मो. निवासी नागानगरी चांदपोल बाहर तथा साथी मो. सोहेल उर्फ अन्ना पुत्र मो. रसीद निवासी महावतवाड़ी मस्जिद चौक घंटाघर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से पिस्टल मय दो कारतुस व चाकू बरामद किया।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
राजस्थान सरकार का उपक्रम
RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक क्षेत्रों में संस्थानिक/ वाणिज्यिक/ ग्रुप हाउसिंग एवं गैर औद्योगिक भूखण्डों का
सरल ई-नीलामी के माध्यम से
आवंटन
HOSPITAL THE MALL HOTEL
अन्तिम 4 दिन शेष

कुल भूखण्ड	अस्पताल/ नर्सिंग होम/ डिस्पेंसरी	व्यावसायिक भूखण्ड	आवासीय/ ग्रुप हाउसिंग	वे ब्रिज
358	15	99	61	07
दुकानें	**होटल**	**पेट्रोल पम्प/ CNG स्टेशन**	**स्कूल**	**संस्थानिक**
126	13	10	08	12

ईएमडी अंतिम तिथि: 10 नवम्बर, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड प्रारम्भ तिथि: 11 नवम्बर, 2025 (प्रात: 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 13 नवम्बर, 2025 (सायं 05:00 बजे)

17	आबू रोड़	07	चूरू	01	नागौर	13	उदयपुर
14	अजमेर	16	बीकानेर	02	पाली	22	जयपुर (उत्तर)
10	अलवर	09	झुंझुनू	19	झालावाड़	04	जयपुर (दक्षिण)
15	भिवाड़ी-I	11	भरतपुर	02	मंडोर	08	जयपुर (ग्रामीण)
25	भिवाड़ी-II	03	बांसवाड़ा	08	राजसमंद	01	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
16	घिलोठ	30	भीलवाड़ा	12	कोटा	09	जोधपुर
04	दौसा	22	नीमराना	02	सीकर	06	श्रीगंगानगर
20	किशनगढ़			12	बोरानाडा	18	सवाईमाधोपुर

राज.संवाद/सी/25/13268

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएप: +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in
आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in

प्रदेश में हुये अगल-अलग सड़क हादसों में मां-बेटों समेत सात जनों की मौत

अलवर में निजी स्कूलों की दो बसों ने मां-बेटे समेत तीन को कुचला, भीलवाड़ा में सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत, सादुलपुर में हुये सड़क हादसे में भी मां-बेटे की मौत हो गई

अलवर : निजी स्कूलों की दो बसों ने मां-बेटे सहित तीन की जान ली

अलवर, (निसं)। अलवर में निजी स्कूलों की बसों के लापवाह वाहन चालकों ने तीन लोगों को कुचल कर मौत की घाट उतार दिया। अलवर में 40 बच्चों से भरी स्कूल बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। मां-बेटे दवा लेने जा रहे थे। हादसा रामगढ़ में गोविंदगढ़ रोड पर गुरुवार सुबह 8.30 बजे हुआ।

- **40 बच्चों से भरी स्कूल बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी, हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई**
- **मां-बेटे दवा लेने जा रहे थे, रामगढ़ में गोविंदगढ़ रोड पर हुआ हादसा**
- **अलवर शहर में सेंट एंसलम स्कूल की बस ने रोड पार कर रहे युवक को कुचल दिया**

थानाधिकारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे में ललावंडी निवासी इंद्रजीत सिंह (28) और उसकी मां मंगली देवी (50) की मौत हुई है। इंद्रजीत मां को स्कूटी से दवा दिलाने रामगढ़ जा रहा था। आरबीएस पब्लिक स्कूल की बस ने स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मां और बेटा बस के नीचे आ गए। ड्राइवर फिर भी बस को दौड़ाता रहा और 50 मीटर तक घसीटते ले गया और बस लेकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

लोगों का आरोप है कि निजी स्कूलों की बसें अक्सर तेज रफ्तार से चलती है और उनमें क्षमता से ज्यादा बच्चे भरे होते हैं। उन्होंने प्रशासन से ऐसे स्कूलों और लापरवाह ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं अलवर शहर में सेंट एंसलम स्कूल की बस ने एक 22 साल के युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वह रोड पार कर रहा था। घटना मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे खुदनपुरी मोड़ के पास की है। जानकारी के अनुसार युवक को कुचलने के बाद बस ने एक कार को टक्कर मार दी, उसके बाद वह डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ बिजली के खंभे से जा टकराई, फिर बस रूकी। बस में स्कूल के दो बच्चे भी थे, गनीमत रही कि बिजली खंभे का तार नहीं टूटा, यदि तार टूटकर बस पर गिर जाता तो करंट दौड़ने से बच्चों की जान जा सकती थी। युवक के एक्सीडेंट का पता चलते ही उनके परिजन वहां पहुंचकर उसे जिला हॉस्पिटल ले गए, लेकिन उसने रात करीब ढाई बजे हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। वह गरीब परिवार से था।

हादसे के बाद बस ने कार को टक्कर मार दी, उसके बाद वह डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ बिजली के खंभे से जा टकराई।

कार ने बाइक को टक्कर मारी, मां-बेटे की मौत

सादुलपुर, (निसं)। मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपनी रिश्तेदारी खापडवास से अपने गांव भोजाण आ रहे मां-बेटे की मोटरसाइकिल को स्वीफ्ट कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गंभीर घायल मां-बेटे की उपचार के दौरान मौत हो गई।

गांव भोजाण निवासी मां व बेटा अपनी रिश्तेदारी हरियाणा के खापडवास गांव से राजगढ़ तहसील में स्थित अपने गांव भोजाण आ रहे थे। जैसे ही वे बहल थाने के गांव बिधनोई व लूणासर के बीच पहुंचे तभी एक स्वीफ्ट कार चालक ने तेजगति व लापरवाही से कार को चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना में गंभीर घायल भोजाण निवासी महिला कमला देवी (55) पत्नी स्व. मांगेराम मेघवाल व उसका बेटा मुकेश कुमार (29) को राजगढ़ के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां महिला कमला देवी की बीती रात्रि को उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि राजगढ़ से हिसार रैफर किये गये उसके बेटे मुकेश कुमार की सरपा अस्पताल में मौत हो गई।

मृतक दम्पती का फाइल फोटो।

खाटूश्यामजी से लौट रहे दम्पती की सड़क हादसे में मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना अंतर्गत दुल्हेपुरा चौराहे पर सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत हो गई। वहीं हादसे में चार जने घायल हो गये। शवों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा गया। वहीं चार घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

- **सड़क हादसे में चार जने घायल, प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दी**
- **नीलगाय सामने आने से गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई थी**

दंपती मृतक के पुत्र राकेश ने रिपोर्ट देकर बताया कि परिवारजन खाटू श्याम के दर्शन करने गए थे जो गुरुवार को अपनी गाड़ी वापस अपने गांव डोडखेड़ा चिलेश्वर पंचायत मुख्यालय करेड़ा लौट रहे थे। गुरुवार सुबह बालापुरा दुल्हेपुरा गांव के मध्य भीम गुलाबपुरा मार्ग नेशनल हाइवे 148 डी मार्ग पर अचानक सामने से नीलगाय सामने आ गई, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। गाड़ी स्वयं मेरे पिताजी शांतिलालजी लोहार चल रहे थे। पुष्पा देवी शांतिलाल लोहार निवासी डोडखेड़ा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राकेश पत्नी सीमा देवी पुत्र अंजुल अभिषेक घायल हो गए। घायल को आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।। जहां पर उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं मृतक दंपती पुष्पा देवी पत्नी शांतिलाल लोहार का पोस्टमार्टम करवाया गया एवं शव परिजनों को सौंपा गया। शंभूगढ़ थाना मुख्यालय से एसएचओ मोतीराम रायका भी मौके पर पहुंचे जांच कार्रवाई आरंभ की। घटना से गांव में कोहराम छा गया। इस मार्ग पर आए दिन दुर्घटना घटित हो रही है।

रूस में अलवर के एमबीबीएस छात्र की लाश मिली

अलवर, (निसं)। रूस में 19 दिन से लापता अलवर के एमबीबीएस छात्र अजीत चौधरी (22) का शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला है। गुरुवार दोपहर रूस से अलवर के लक्ष्मणगढ़ के कफनवाड़ा गांव में रहने वाले अजीत चौधरी के परिवार को सूचना मिली है। रूस में यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले अजीत के साथियों ने शव की पुष्टि कर दी है।

जानकारी के अनुसार अजीत चौधरी पुत्र रूप सिंह चौधरी रूस के ऊफा शहर में बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। वह थर्ड ईयर का स्टूडेंट था। कॉलेज कैंपस से कुछ ही किलोमीटर दूरी पर नदी बहती है। इसमें अक्टूबर के महीने में पानी भी उफान पर था। 19 अक्टूबर को अजीत लापता हो गया था और 20 अक्टूबर को रूस में नदी के किनारे उसके कपड़े मिले थे। उसके आधार पर माना जा रहा था कि नदी में बह गया। तब से लगातार सर्च किया जा रहा था, लेकिन उसकी जानकारी नहीं मिल रही थी। पूरा परिवार बेटे के लौटने की उम्मीद में था, लेकिन अब उसका शव मिलने की सूचना मिली है।

मृतक छात्र का फाइल फोटो।

कुछ दिन पहले ही अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान के नेतृत्व में छात्र के परिजन दिल्ली में विदेश मंत्रालय पहुंचे थे और विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से मिले थे। इसके बाद राज्य मंत्री ने रूस दूतावास में अधिकारियों से बात की थी। उसके बाद भी कोई सुराग नहीं मिला था। अब शव मिलने के बाद परिजनों को सूचना भेजी है। इसके बाद परिवार की उम्मीदें पूरी तरह टूट गई है।

- **19 दिनों से लापता था छात्र, छात्र का शव व्हाइट रिवर से लगते बांध में मिला**
- **शव की पहचान यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की, अब शव को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू की**

अलवर सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान ने बताया कि दूतावास के जरिए सूचना मिली कि छात्र अजीत चौधरी का शव मिल गया है। शव की पहचान यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की है। अब शव को भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उससे पहले मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। शव को भारत आने में 2 दिन का समय लग सकता है। अजीत चौधरी रूस से एमबीबीएस कर रहा था। उसका दूसरा भाई कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहा है। परिवार के पास 20 बीघा जमीन है। इसमें से 3 बीघा जमीन बेचकर अजीत को पढ़ने भेजा था।

हथकढ़ शराब प्रकरण में महिला गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग की टीम ने करीब तीन माह से हथकढ़ शराब प्रकरण में फरार चल रही महिला को गिरफ्तार किया है।

आबकारी निरोधक दल के प्रहराधिकारी धोलाराम बिश्नोई के नेतृत्व में टीम ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर तुरंत दबिश देकर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया और उसे थाने लाया गया। दबिश के दौरान भी आरोपी महिला के घर पर हथकढ़ शराब होने के सबूत मिले हैं। दबिश के डर से महिला ने भागने का प्रयास भी किया, जिसे प्रहराधिकारी की टीम ने भाग कर पकड़ा, लेकिन इस भागदौड़ के बीच घर में मौजूद शराब को नाली के बहा दिया गया, जिसके पुख्ता सबूत भी आबकारी पुलिस को मिले हैं। महिला आरोपी करीब 3 महीने से फरार थी और विभिन्न ठिकानों पर छुपाकर फरारी काट रही थी। स्थानीय लोगों और गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने उसे ढूंढने में सफलता हासिल की। आरोपी महिला पर हथकढ़ शराब से जुड़े कई गंभीर आरोप है, जिनके चलते उसे पकड़ गया है।

मामूली विवाद में चाकू से हमला किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में अब चाकूबाजी आम बात होने लगी है। पुलिस का कोई खौफ ही नहीं रह गया है। कोई भी मामूली विवाद में चाकू से हमला करने में नहीं चूक रहा है। ताजा मामला मारुति नगर में सामने आया। यहां एक व्यक्ति घर के बाहर बैठा हुआ था तभी दो युवक आए और कहासुनी के बाद चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मारूति नगर में दो नाबालिग बच्चों के बीच विवाद हुआ था। इसके चलते दो युवक समीर पिता राजू पठान के मकान पर आए। इस दौरान समीर पठान बाहर ही बैठा हुआ था। युवकों ने पहले समीर के साथ गाली-गलौच की और फिर उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करके फरार हो गए। चाकूबाजी की घटना के बाद समीर की चीख सुनकर उसके परिजन मौके पर आए और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। वीहं घटना की सूचना पर सुभाष नगर थाना पुलिस पहुंची और आगे की कार्रवाई कर रही है।

कृषि मंत्री ने नापासर गांव में फैक्टरी पर छापा मारा

फैक्टरी में डेढ़ लाख लीटर इंडस्ट्रियल ऑयल पकड़ा, पलंग के नीचे 15 लाख रुपए मिले

बीकानेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बुधवार देर रात बीकानेर के नापासर गांव में एक फैक्टरी में छापेमारी करते हुए करीब डेढ़ लाख लीटर इंडस्ट्रियल ऑयल बरामद किया है। इस दौरान फैक्टरी में एक पलंग के नीचे बॉक्स में 15 लाख रुपए भी बरामद किए। नापासर पहुंचने से पहले मंत्री मीणा ने संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा को अधिकारियों की एक टीम नापासर भेजने के आदेश दिए थे।

मंत्री मीणा को नापासर में बड़े पैमाने पर नकली बॉयो डीजल का स्टोरेज होने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर उन्होंने खुद पहुंचकर कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां उन्होंने पेट्रोलियम प्रोडेक्ट बनाने वाली एक फैक्टरी पर छापा मारा। फैक्टरी में बड़े-बड़े कंटेनरों में इंडस्ट्रियल ऑयल भरा हुआ था। ये केमिकल सूरत से लुधियाना और दिल्ली भेजा जाता है, जिसका ई-वे बिल भी बनता था। टैंकर नापासर में खाली हो जाता था। वहां कई ई-वे बिल मिले हैं, जो सूरत-अहमदाबाद से लुधियाना और दिल्ली जैसे शहरों के थे। इस दौरान किरोड़ी के सामने फैक्टरी संचालकों ने अपनी सफाई दी, लेकिन कार्रवाई को नहीं रोका गया।

फैक्टरी मालिक केशव विजय का कहना है कि इंडस्ट्रियल यूज के लिए केमिकल बनाते हैं। इसका भुजिया फैक्ट्रियों में उपयोग किया जाता है। बीकानेर में ये अकेली फैक्टरी नहीं है, जहां ऐसा तेल बनता है। कई और फैक्ट्रियों में भी केमिकल बनता है।

गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा भारतमाला एक्सप्रेस वे से जोधपुर से बीकानेर आ रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक ट्रक में पिकअप से डीजल भरते देखा। आगे जाकर देखा तो एक और वाहन को डीजल भरा जा रहा था। तीसरा वाहन भी इसी तरह भारतमाला एक्सप्रेस वे पर डीजल भरा रहा था तो किरोड़ीलाल ने अपने ड्राइवर को गाड़ी रोकने के लिए कहा। स्वयं वहां पहुंचे और पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने काफी कुछ जानकारी मंत्री को दी। उसने बताया कि नापासर थाने को हर हफ्ते 15 हजार रुपए देता है। इसलिए कोई रोकता नहीं है। वो नापासर से ही ये डीजल लेकर आता है। उसने कांटे की रसीद भी दिखाई। ये ही ड्राइवर मंत्री को लेकर नापासर की इस फैक्टरी पर पहुंचा, जहां छापेमारी को अंजाम दिया गया है। फैक्टरी मालिक सूरत से ये ऑयल महज 45 रुपए प्रति लीटर में खरीदते हैं और 72 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से पिकअप वालों को देते हैं। पिकअप वाले इसमें 3 रुपए प्रति लीटर का फायदा जोड़कर 75 रुपए प्रति लीटर में ट्रक ड्राइवरों को देते हैं।

- **फैक्टरी में बड़े-बड़े कंटेनरों में इंडस्ट्रियल ऑयल भरा हुआ था, ये केमिकल सूरत से लुधियाना और दिल्ली भेजा जाता है, जिसका ई-वे बिल भी बनता था**

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 2233.46 Date:-29/10/2025
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 08/2025-26) for "Building Repair & Maintenance Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 13.11.2025. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 59.16 lacs.
NIB NO. PWD2526A4090
UBN NO (1) PWD2526 WSOB15886, (2) PWD2526WSOB15887
(Lalit Kumar Meena) Executive Engineer PWD Division Hindaun
DIPR/C/16153/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उदयपुर (राजस्थान)
पताः- मकान न0-16 ब्लॉक सी हिरणमगरी सवीना सेक्टर-9 क्रिस्टल प्लाजा के पास उदयपुर
(email-eemhudaipur@gmail.com, ee-mh-udaipur.gov.in)
क्रमांक-चि.एवं.स्वा./उदयपुर/2025-26/1098 दिनांक-30/10/25
ई-निविदा सूचना संख्याः 14/2025-26 MHS2526A3251
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के उदयपुर, सलुम्बर एवं सिरोही जिले में निर्माण कार्य मय पांच साल की दोष निवारण अवधि (जहाँ लागु हो) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए.. ए., बी, सी एवं डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा को दिनांक 20.11.2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व SPPP.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO.- 1. MHS2526WSOB04714, 2. MHS2526WSOB04715
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उदयपुर
DIPR/C/16189/2025

कार्यालय नगर निगम, जयपुर हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, जयपुर)
क्रमांक :- अधि.अभि.हवा.म0आ.जोन/हैरि ननिज/2025-26/583 दिनांक :- 04/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 124 से 130/2025-26
नगर निगम जयपुर हैरिटेज के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmcheritage.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. : JMC2526WSOB01921, TO JMC2526WSOB01927 पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/13292 आयुक्त, नगर निगम जयपुर हैरिटेज

कार्यालय नगर पालिका, जैतारण (ब्यावर)
क्रमांक/नपाजै/विकास/ईनिविदा/2025/4033 दिनांक :- 03.11.2025
:: ई -निविदा सूचना ::
(NIB NO. DLB2526A7744)
नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है । नगर पालिका क्षैत्र के कुल 02 कार्य अनुमानित लागत 25.71 (रू लाख) की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 06.11.2025 एवं 13.11.2025 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/13262 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

Office of the Executive Engineer, Watershed Development & Soil Conservation Bikaner
S.N.: 433-38 **NOTICE INVITING BID** Date: 30/10/2025
NIB No WSC2526A0909
On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of NRM Works under PMKSY 2.0 Projects of estimated value INR 322.62 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 10.11.2025, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://cproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost, (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Bikaner	71.96	WSC2526WSOB01560
2	Bikaner	32.38	WSC2526WSOB01561
3	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01562
4	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01563
5	Bikaner	72.76	WSC2526WSOB01565

[Mahesh Kumar Ajariwal] Executive Engnieer WDSC, Bikaner
DIPR/C/16264/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
क्रमांक-अअ/सांचौर/2025-26/2425 दिनांक-29.10.2005
निविदा सूचना संख्या 11 वर्ष 2025-2026
NIB No. PWD2526A4074
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 349.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	01 नवम्बर 2025, 9:30 बजे से 17 नवम्बर 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू. बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
PWD2526WSOB15812, PWD2526WSOB15856, PWD2526WSOB15857 PWD2526WSOB15858, PWD2526WSOB15859, PWD2526WSOB15860
(प्रदीप पंवार) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड खण्ड सांचौर
DIPR/C/16158/2025

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. - (02938) 236170/236883, ई-मेल - eombfalna@gmail.com
Notice Inviting Bid
Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 03.11.2025 Date 11.00 AM to 13.11.2025 Date 5.00 PM Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,
UBN :- DLB2526WSOB23160
Raj.Samwad/C/25/13260 Executive Officer

MUNICIPAL COUNCIL, SAWAI MADHOPUR
S.No./M.C.S.M./Nirman/25/9569 Date : 17/10/2025
Notice Inviting Bid
Short term Bids for different works Nit No. 121 /2025-26 of Municipal Council Sawai Madhopur are invited from interested bidders upto date 10 – 11 - 2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – DLB2526WSRC22659
Commissioner, Municipal Council Sawai Madhopur
Raj.Samwad/C/25/13168

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.
क्रमांक/न.प.स.मा./नि.शा./2025-26/9977 दिनांकः 30.10.2025
-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-
केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका/परिषद/निगम/स्वायत्त शासन विभाग के निविदाताओं से आयुक्त/अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 06.86 लाख से 16.51 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का NIB Code- DLB2526A7614
UBN Code- DLB2526WSOB23079, DLB2526WSOB23080
राज.संवाद/सी/25/13171 आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner
क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/7169 दिनांक :- 28/10/2025
ई - बिड सूचना संख्या 41/I-2025-26
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से Bidder should be reputed firm/company/Govt.owned entity में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्म से Consultancy कार्य हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।
UBN No. :- ITB2526SLOB00270
राज.संवाद/सी/25/13250 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/सफाई शाखा/2025/7366 दिनांक :- 28.10.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 12.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2526SLOB22669 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/13148

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
दूरभाष-0145-2429953, फैक्स-0145-2433813, Email - ajmermc@gmail.com, ajmermc@rajasthan.gov.in
Website - www.lsg.urban.rajasthan.gov.in/mcajmer, www.ajmermc.org
No. :- MEW/SLWER/AMC/2025-26/1742 Dated :-30.10.2025
ई-निविदा सूचना 08/2025-26
Open BIDS for ENIB No.08/2025-26 dated 30.10.2025 Percurement for (01 online works) of Subject matter are invited from interested bidders for online tender submit upto 20.11.2025 upto 6:00 PM and Online tender Open at 21.11.2025 at 11:00 A.M. Other particulars or details of NIB of the bid may be visite at the percurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in/ and / http://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state.NIB code and UBN code as per given below.

NIB Code	UBN NO.
ANN2526A0147	ANN2526WLOB00196

अधिशाषी अभियंता नगर निगम अजमेर
राज.संवाद/सी/25/13208

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)
क्रमांकः न0परि0झा0/राजस्व/2025/4266 दिनांकः 17.10.2025
-: ई-निविदा सूचना :-
NIB No – DLB2526A7437
UBN No – DLB2526SLOB22588
नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में संबंधित व्यवसायिको, आपूर्तिकर्ताओ एवं पंजीकृत ठेकेदारो से नगरीय क्षैत्र मे तहबजारी वसूली का कार्य, होर्डिंग्स ठेका नगरीय क्षेत्र हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 01.11.2025 से 10.11.2025 को दोपहर 3.00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदायें डीडी जमा कराने की तिथि 11.11.2025 को सांय 4.00 बजे तक रहेगी। तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 12.11.2025 प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
आयुक्त नगरपरिषद् झालावाड
राज.संवाद/सी/25/13184

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज.)
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email :- nnksouth@gmail.com, Website :- https://kotamcsouth.org/
क्रमांकः- ननिको(द.)/जनस्वा./2025/10265-76 दिनांकः- 28.10.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
नगर निगम, (उत्तर/दक्षिण) कोटा एवं अन्य राजकीय विभागों में पंजीकृत संवेदकों से नगर निगम कोटा दक्षिण में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर चित्रकारी/पेंटिंग/लिखाई का कार्य (S.B.M. योजना अन्तर्गत) हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम कोटा दक्षिण की वेबसाईट https://kotamcsouth.org/, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अन्य जानकारी हेतु नगर निगम के प्रशासनिक भवन में कमरा नं0 239 में सम्पर्क कर सकते है। (अनुमानित लागत रू. 25.00 लाख)
UBN No. – DLB2526WSOB22695
उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/13195

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/3834-36 दिनांक : 31.10.2025
निविदा सूचना
नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 31.10.2025 से दिनांक 10.11.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 11.11.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB code-DLB2526A7628
UBN:-DLB2526WSOB23099
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़
राज.संवाद/सी/25/13245

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68 PHED Campus,, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./जन स्वा./सॉं/निविदा/2025-26/1317 दिनांकः- 31/10/2025
निविदा सुचना संख्या - 10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जत्त स्वा, अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract Removal of leakage difference size pipe line under UWSS Sanchore and Annual rate contract of Repair Rewinding of Submersible motor pump set and repair of starter with lowering un-lowering complete work.
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 04 रु. 55.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	03.11.2025 से 10.11.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	11.11.2025 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC08120, PHE2526WSRC08121 PHE2528WSRC08123, PHE 2526 WSRC 08124

निविंदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता जनं स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉंचौर
DIPR/C/16266/2025

सड़क सुरक्षा नियमों की धज्जियां उडाने वाले 2743 चालकों के खिलाफ कार्रवाई

परिवहन विभाग ने प्रदेशभर में 2758 वाहनों के चालान भी काटे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर सरकार सख्ती बरत रही है। 4 से 18 नवंबर तक चलने वाले सड़क सुरक्षा अभियान में ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। अब तक सड़क सुरक्षा नियमों की धज्जियां उडाने वाले 2743 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही 2758 वाहनों का चालान भी काटा गया है। परिवहन विभाग ने 15 हजार से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात के नियमों की पालना के लिए जागरूक भी किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात डॉ. बी. एल. मीना ने बताया कि अभियान के पहले दिन शराब पीकर वाहन चलाने पर 307, तेज गति से वाहन चलाने पर 2743, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 753, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने पर 178, बिना रिफ्लेक्टर वाहन चलाने पर 149, बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाने पर 529 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर को 15 हजार 618 सड़क उपयोगकर्ताओं को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस विभाग के लगभग 4500 कार्मिक मौके पर तैनात रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेशभर में पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई।

- 15 हजार लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर जागरूक किया
- प्रदेशभर में 4500 से ज्यादा पुलिस के जवान सड़कों पर तैनात

डॉ. मीना ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों पर एनएच-48 मॉडल के अनुरूप लेन ड्राइविंग सिस्टम को लागू करने की दिशा में 135 पुलिस जाप्तों के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया। वहीं, 143 पुलिस जाप्ते लेन ड्राइविंग के नियमों को सुनिश्चित करने के लिए तैनात किए गए। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने पर 49 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई भी की गई।

इसी तरह परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने अभियान के पहले व दूसरे दिन (4 व 5 नवंबर) कार्रवाई करते हुए प्रदेश में नियमों का उल्लंघन करने पर 2758 वाहनों के चालान किए। इस दौरान मालवाहक वाहनों पर ओवरलोडिंग के 193, इन वाहनों में यात्री पाए जाने पर 85 तथा अन्य नियमों के उल्लंघन करने पर 1819 मालवाहक वाहनों के चालान कर कार्रवाई की गई। यात्री वाहनों में क्षमता से अधिक यात्री पाए जाने पर 42, छत पर सामान रख संचालन करने पर 6 बसों तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 181 यात्री वाहनों का चालान किया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 83 व्यक्तियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए, 7 वाहनों का परमिट भी कैंसिल किया गया तथा 116 वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान अन्य प्रकरणों में भी विभाग द्वारा चालान किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान का उद्देश्य राज्य में सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं मृत्यु दर घटाना, यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करना, सडक अधोसंरचना एवं आपातकालीन सहायता प्रणाली को सुदृढ करना, सड़क उपयोगकर्ताओं में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना है।

2047 के विजन की बात लेकिन स्कूलों के लिए कल की प्लानिंग भी नहीं : हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि ''चुनावी वादों की तरह नहीं धरातल पर काम करें''

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग मरम्मत को लेकर राज्य सरकार की ओर से पेश रोडमैप को शिक्षा सचिव के शपथ पत्र के साथ पेश करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने रोडमैप को अधूरा बताते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई।

अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार साल 2047 के विजन की बात करती है, लेकिन स्कूलों को लेकर कल की प्लानिंग ही नहीं है। इसके साथ अदालत ने मामले में राज्य सरकार को 24 नवंबर को अलग-अलग मद में बजट की जानकारी देने को कहा है। अदालत ने कहा कि स्कूल भवनों का इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कूल सेफ्टी नियमों के प्रावधानों के अनुसार होना चाहिए।

जस्टिस महेंद्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड में सरकारी स्कूल की छत गिरने से बच्चों की मौत के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश की स्कूलों में करीब 86 हजार कमरे क्षितग्रस्त बताए जा रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है कि इन सभी कमरों को ठीक कैसे किया जाएगा। इसके अलावा निर्माणाधीन बिल्डिंग और मरम्मत का बजट भी अलग-अलग नहीं बताया गया है। अदालत ने कहा कि चुनावी वादों की तरह नहीं, धरातल पर काम किया जाना चाहिए। बजट में स्कूल और कॉलेज खोलने की घोषणाएं होती हैं, लेकिन इन्हें वहां खोला जाए, जहां इनकी वास्तव में जरूरत हो। अदालत ने कहा कि एनसीपीसीआर की 2021 की गाइड लाइन और सुप्रीम कोर्ट की ओर से अविनाश भारद्वाज के मामले में दिए आदेश के अनुसार मरम्मत का काम किया जाए।

राष्ट्रगीत ''वंदेमातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने की पूर्व संध्या पर गुरूवार को जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति पर मशाल जुलूस निकाला गया। इस मौके पर सांसद मंजू शर्मा,भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी और जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट समेत कई लोग मौजूद थे।

नेशनल व स्टेट हाइवे सहित सर्विस लाइन से अतिक्रमण हटाएं, सीधी खुलने वाली दुकानें और अवैध कट बंद करें : हाईकोर्ट

उच्च न्यायालय ने प्रदेश में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर सख्ती बरतने के आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में लगातार हो रही सडक दुर्घटनाओं पर सख्ती बरतते हुए नेशनल व स्टेट हाइवे सहित इनकी सर्विस लाइन से सभी अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने कहा कि हाईवे पर जहां सर्विस या स्लिप लेन नहीं है, वहां इनका निर्माण किया जाए। अदालत ने कहा कि हाईवे पर जो भी वाहन आए वह सीधे ही उसमें नहीं मिले, बल्कि स्लिप या सर्विस लेन के जरिए आए।

वहीं हाइवे पर सीधे तौर पर खुलने वाली दुकानों को बंद करने और इनका गेट हाइवे की बजाय दूसरी ओर करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा केन्द्र व राज्य सरकार से हाईवे पर वाहनों के लेन सिस्टम व डीजीपी से पेट्रोलिंग करवाए जाने के संबंध में आगामी सुनवाई पर रोडमैप और रोड सेफ्टी एक्शन प्लान पेश करने के लिए कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस जीएस संधू की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश गुरुवार को अधिवक्ता राजेन्द्र शर्मा की पत्र याचिका पर जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि नेशनल व स्टेट हाइवे पर जल्द ही पेट्रोलिंग सिस्टम लागू किया जाए। खंडपीठ ने कहा कि हाइवे पर सीधे ही दुकानें खुलने से उनके सामने वाहन खडे हो जाते हैं। ऐसा ही हाल हाइवे की सर्विस लाइनों का भी है और वहां भी दो पहिया सहित अन्य वाहन खडे रहते हैं।

ऐसे में इन दुकानों का गेट हाइवे की बजाय दूसरी ओर खोला जाए ताकि वाहनों की पार्किंग से यातायात बाधित नहीं हो। वहीं हाइवे के अवैध कट भी बंद किए जाए। अदालत ने सिटी रोड पर भारी वाहन आने पर भी सवाल उठाया। अतिक्रमण हटाने में जरूरत हो तो फोर्स की मदद ली जाए। सुनवाई के दौरान एएसजी भरत व्यास ने कहा कि मामले मे साल 2010 के रूल्स की क्रियांविति कराई जाएगी। वहीं महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार भी सडक हादसों को रोकने का प्रयास कर रही है और सीएम के स्तर पर भी तत्काल कार्रवाई की है। अदालत ने केन्द्र व राज्य सरकार का पक्ष जानने के बाद सीएम के प्रयासों की सराहना की।

''डोटासरा अंता उपचुनाव में भी थारा मोरिया बोलसी''

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सदैव अनर्गल बयानबाजी करते है। उन्होंने कहा कि डोटासरा को याद रखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकार में 5 साल तक अशोक गहलोत की कुर्सी बचाने के लिए गुटबाजी चली और यह आज तक चल रही है। कांग्रेस अलग-अलग गुटों डोटासरा कांग्रेस, गहलोत कांग्रेस, पायलट कांग्रेस, टीकाराम जूली कांग्रेस में बटी हुई है।

गोदारा ने कहा कि अंता में भारतीय जनता पार्टी का आज रोड शो हुआ। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पार्टी का यह ऐतिहासिक रोड शो था। जो भारतीय जनता पार्टी की अंता उपचुनाव में भारी मतों से जीत का संकेत है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के उपचुनाव की तरह ही भारतीय जनता पार्टी अंता उपचुनाव भी जीतेंगी। डोटासरा , लोगा का मोरिया बुलावता, पिछला उप चुनाव में थारा मोरिया बोल्या। अब की अंता में भी थारा मोरिया बोलसी।

'ओ.बी.सी. आरक्षण कम करने की साजिश'

जयपुर। ऑल इंडिया कांग्रेस ओ.बी.सी. विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक एवं स्टेट ओबीसी एडवाईजरी काउंसिल के सदस्य राजेन्द्र सैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार, पंचायत तथा नगर निकाय चुनावों से पूर्व ओबीसी आरक्षण सर्वे के नाम पर ओबीसी आरक्षण को कम करने की साजिश रच रही है। सैन ने आरोप लगाया कि ओबीसी आरक्षण सर्वे में परिवार का राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी बताने की क्या आवश्यकता है। प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव में अब आयोग ओबीसी परिवारों का सर्वे में परिवार के मुखिया और सदस्यों का नाम, उम्र जेंडर, शैक्षिणक योग्यताएं, परिवार की आजीविका के साधन, जन आधार, बीपीएल श्रेणी, खाद्य सुरक्षा लाभार्थी के अलावा परिवार में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का कॉलम भी भरना होगा। आबादी के आंकड़ों के आधार पर ओबीसी आरक्षण दिया जाना चाहिए, परंतु ओबीसी आरक्षण आंकड़े आने से पूर्व ही सरकार राजनीतिक तौर पर ओबीसी आरक्षण देने की अधिकतम सीमा 21 प्रतिशत देने की घोषणा कर दी। सैन ने कहा कि प्रदेश में ओबीसी जनसंख्या लगभग 55 से 60 प्रतिशत है तो आरक्षण कम क्यों? सैन ने कहा कि ओबीसी आरक्षण आबादी के आधार पर मिलना चाहिए। पूर्व में ही जब 21 प्रतिशत आरक्षण मिला था तो ओबीसी जनसंख्या सर्वे के नाम पर करोड़ों रु. खर्च करने से क्या फायदा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उदयपुर व गुजरात जाएंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को एक दिवसीय यात्रा के तहत उदयपुर और गुजरात दौरे पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री इस दौरान भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत चल रहे आयोजनों की उदयपुर में समीक्षा करेंगे। साथ ही, 150वीं जयंती से संबंधित प्रस्तावित विशेष समारोह की तैयारियों को लेकर भी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

इसके पश्चात शर्मा गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थल पर राष्ट्रीय एकता दिवस एवं भारत पर्व 2025 को लेकर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन श्रोत्रिय की अपील पर सरकार व आरपीएससी को नोटिस

859 पदों की ''सब इंस्पेक्टर भर्ती: 2021 पेपर लीक'' मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 859 पदों की एसआई भर्ती: 2021 पेपर लीक मामले में आरपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन संजय श्रोत्रिय की अपील पर राज्य सरकार, आरपीएससी व मूल याचिकाकर्ता कैलाश चन्द्र शर्मा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

वहीं मामले को चयनित अभ्यर्थी विक्रम सिंह की अपील के साथ संलग्न करते हुए 24 नवंबर को इसकी सुनवाई तय की है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश तत्कालीन आरपीएससी चेयरमैन संजय श्रोत्रिय की अपील पर गुरुवार को दिया। इस अपील में एकलपीठ के 28 अगस्त वाले आदेश को चुनौती दी है।

अपील में कहा कि एकलपीठ ने उनका पक्ष जाने बिना ही उनके खिलाफ तल्ख टिप्पणियां की और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। प्रार्थियों ने उन्हें याचिका में पक्षकार नहीं बनाया है, एसओजी ने भी चार्जशीट में उनके खिलाफ आरोप प्रमाणित नहीं पाए हैं। उनके खिलाफ चार्जाशीट पेश नहीं की है और एकलपीठ ने बिना कोई ठोस सबूत व उन्हें सुने बिना आदेश दिया और टिप्पणी की। ऐसा करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ व प्राकृतिक न्याय के सिद्दांतों का उल्लंघन है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर 24 सितंबर के आदेश से हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग कराने की छूट दी थी। साथ ही खंडपीठ को कहा था कि वह मामले में दायर अपीलों का निपटारा तीन महीने में करे।

50 स्थानों से हटाए अस्थाई अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम जयपुर हैरिटेज ने परकोटे क्षेत्र में गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमणों के खिलाफ बडी कार्रवाई की गई। सतर्कता शाखा ने उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में अभियान चलाते हुए 50 स्थानों से अतिक्रमण हटाए और 8 ट्रक सामान जब्त किया। कार्रवाई के दौरान निगम टीम ने 22 हजार 400 रुपए कैरिंग चार्ज भी वसूल किया।

जनता को सही सूचना, समय पर और सरल भाषा में मिले : सुधांश पंत

मुख्य सचिव ने जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंस

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के आधारभूत ढांचे के विकास और आमजन के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। ऐसे में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के लिए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने जनसंपर्क सेवा के अधिकारियों को संबंधित जिलों और विभागों में ऑनरशिप लेकर प्रोएक्टिव और अग्रेसिव एप्रोच के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने खबरों में कंटेंट को महत्व देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर कंटेंट में ह्यूमन एंगल होगा तो वह लोगों को पसंद आएगा। उन्होंने जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों को नैरेटिव निर्माण और इमेज बिल्डिंग के लिए बढ़-चढ़कर भागीदारी के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव पंत गुरुवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के तहत सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क सेवा के अधिकारियों पर कार्यक्रमों व गतिविधियों के कवरेज के साथ-साथ जनता में विश्वास और विश्वसनीयता का संचार करने का महती दायित्व है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर आयुक्त एवं शासन सचिव संदेश नायक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

- मुख्य सचिव ने जनसंपर्क अधिकारियों को ऑनरशिप के साथ कार्य का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए
- सुधांश पंत ने कहा कि ''सूचना एवं जनसंपर्क विभाग है राज्य सरकार की आंख, नाक और कान है।''

सलाहकार की भूमिका निभाएं पी.आर.ओ.

मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारी कार्य के दायरे को बढ़ाते हुए अपने विभागों और जिलों में सचिव, कलक्टर एवं मंत्रीगण के सलाहकार की भूमिका अपनाते हुए प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करें। उन्होंने गलत खबरों को वेरीफाई कर समयबद्ध तरीके से उनके फैक्ट चैक, खंडन, तथ्यात्मक रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने फैक्ट चैक और खंडन जैसी कार्यवाही से सभी प्रकार के मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित गलत खबरों के संदर्भ में वास्तविक और तथ्यात्मक स्थिति पर आधारित समाचार तैयार कर आमजन तक सही-सही जानकारी प्रसारित करने पर भी बल दिया। साथ ही मीडिया स्ट्रेटेजी बनाकर प्रचार-प्रसार के कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया हैंडल्स की रीच बढ़ाएं

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के युग में जनसंपर्क अधिकारी का रोल और अधिक अहम और उनकी जवाबदेही 247 हो जाती है। अत: गलत एवं भ्रामक खबरों को रोकने के लिए ये आवश्यक है कि आमजन तक भ्रामक और तथ्यहीन खबरों की सही जानकारी समयबद्ध रूप से पहुंचे।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की रीच बढ़ाने के लिए टारगेटेड एप्रोच के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खबरों में कंटेंट को प्रभावी बनाने के लिए तथ्यों, विकास कार्यों और उपलब्धियों की गत वर्षों से तुलना कर खबर को तुलनात्मक एवं सकारात्मक संदर्भ रूप में जारी करें।

उन्होंने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को राज्य सरकार की आंख, नाक, कान बताते हुए भ्रामक एवं तथ्यहीन नकारात्मक खबरों पर संबंधित विभाग का पक्ष पूरी बेबाकी से रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को फोटो, वीडियो, उपलब्धियों और सफलता की कहानियों का निरंतर संकलन कर कंटेंट बैंक तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कंटेंट निर्माण में उनका उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विज्ञापनों में प्रभावी कंटेंट का समावेश कर उन्हें और अधिक सारगर्भित बनाएं।

इससे पहले सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव संदेश नायक ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के प्रचार-प्रसार कार्यों एवं गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।

बैठक में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (पुलिस मुख्यालय) डॉ. कमलेश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (सूजस) नर्बदा इंदोरिया, संयुक्त निदेशक मनमोहन हर्ष, जसराम मीणा, रजनीश शर्मा, उपनिदेशक तरूण जैन, ओटाराम चौधरी, अजय कुमार, विजय खंडेलवाल, मुख्य फोटो अधिकारी छोटूलाल जीनगर एवं सहायक निदेशक आशीष कुमार जैन उपस्थित रहे।

बैठक में प्रदेश के समस्त जिला जनसंपर्क कार्यालयों के जनसम्पर्क सेवा के अधिकारी एवं विभागों में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत जनसम्पर्क सेवा के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

युवक का अपहरण कर 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी

विरोध करने पर लाठी-डंडों से की मारपीट, जान से मारने की धमकी देकर फरार हुए बदमाश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में एक युवक का अपहरण कर पन्द्रह लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बिना नंबर की कार से आए नकाबपोश बदमाशो ने उसका अपहरण किया और विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट कर धमकी देकर फरार हो गए। इस संबंध में पीडित थाने पहुंचा और कार सवार 4 अपहरणकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि खोह नागोरियान के लूनियावास निवासी कैलाश मीना ने मामला दर्ज करवाया है कि गत दो पहले वह लूनियावास से जा रहा था।

- जयपुर के खोह नागोरियान क्षेत्र में कार सवार नकाबपोश बदमाशों की वारदात

इस दौरान बिना नंबर की कार आगे आकर रुकी। कार से उतरे चार बदमाशों ने जबरन उसको पकड कर जबरन कार में पटककर ले गए। इसके बाद मुंह पर कपड़ा बांध रखा और विरोधर कर जमकर मारपीट की। इसके बाद लाठी-डंडे व कुल्हाडी से लैस उसे सुनसान जगह ले गए।

जहां नकाबपोश बदमाशों ने 15 लाख रुपए की फिरौती मांगी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की और फिर जान से मारने की धमकी देकर उसे छोड़कर फरार हो गए। थानाधिकारी मातवा ने बताया कि पीड़ित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आपसी लेनदेन का प्रतीत हो रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच पडताल करते हुए आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मिलावट के शक पर रेस्टोरेंट से लिए पनीर-काजू के सैंपल

जयपुर। प्रदेश में विभाग द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर पर्यटन एवं वैवाहिक सीजन के संदर्भ में सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने टोंक रोड स्थित मैसर्स बार.बी.क्यू . नेशन रेस्टोरेंट पर कार्यवाही करते हुए मिलावट का अंदेशा होने पर पनीर और काजू के सैंपल लिए।

सीएमएचओ डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि मार्केट से पनीर रुपए 240 प्रति किलो खरीदा जा रहा है। पनीर की इतनी कम रेट होने से घटिया क्वालिटी होने का अंदेशा होने पर पनीर का नमूना लिया गया। काजू की ग्रेवी तैयार करने के लिए जो काजू काम में लिया जा रहा था इसकी क्वालिटी भी खराब थी, जिससे काजू का नमूना भी लिया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। साथ ही रेस्टोरेंट में अनेक कमियां पाई गई। एक ही फ्रिज में वेज एंड नॉनवेज रखा हुआ था एवं किचन में एक ही प्लेटफॉर्म पर वेज और नॉनवेज भोजन तैयार किया जा रहा था।

- टोंक रोड स्थित मैसर्स बार.बी.क्यू . नेशन रेस्टोरेंट पर हुई कार्रवाई

गलता गेट पुलिस ने जब्त किए 14 वाहन

जयपुर। गलता गेट पुलिस ने 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए ओवर लोडिंग व शराब पीकर वाहन चलाने वाले व सात भारी वाहन एवं एक खुली जीप जब्त की। पुलिस ने 5 ओवर लोडिंग वाहन, बिना नंबर ओवरलोडिंग वाहन एवं एक ट्रक चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने ओपन जीप में शराब पीकर उत्पात मचाने वाले चालक को गिरफ्तार कर ओपन जीप को जब्त कर लिया। पुलिस उपायुक्त उत्तर करन शर्मा ने बताया कि राज्य में बढ़ती सडक दुर्घटनाओं को देखते हुए उनकी रोकथाम के लिए के लिए 15 दिवसीय सडक सुरक्षा अभियान चलाया गया। जिसकी शुरुआत 4 नवंबर को की गई।

उपचार के नाम पर नौ माह के बच्चे को भोपे ने गर्म सलाखों से दागा

गंभीर हालत के चलते बच्चे को अस्पताल में भर्ती करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में अंधविश्वास का दंश मासूमों पर भारी पड़ रहा है। अंधविश्वास के चलते परिजनों द्वारा मासूमों को निमोनिया होने के बाद गर्म सलाखों से दाग दिया जाता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया जब एक मां ने भोपे के जरिए अपने 9 माह के मासूम को गर्म सलाखों से दाग दिया और गंभीर हालत के चलते उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सदर थाना क्षेत्र के इरास ग्राम में रहने वाले देवी बागरिया के 9 माह के पुत्र गोविंद को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसे उपचार के नाम पर उसकी परिजनों ने एक भोपे के जरिए गर्म सलाखों से दाग दिया। मां का कहना था कि ग्रामीणों की सलाह पर हमने इसके डांव लगाया, लेकिन इसकी हालत में सुधार नहीं हो पाया। अब गम्भीर हालत में एमजी हॉस्पीटल मे भर्ती यह मासूम जिन्दगी और मौत से झूझ रहा है।

बच्चे को गम्भीर हालत में एमजी हॉस्पीटल में भर्ती कराया।

- इरास ग्राम में रहने वाले देवी बागरिया के नौ माह के पुत्र को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, जिसे उपचार के नाम पर भोपे ने गर्म सलाखों से दाग दिया

जानकारी के अनुसार जिले में निमोनिया के बाद अंधविश्वास के चलते विगत कुछ माह में ही कई बच्चों को गर्म सलाखों से दागा गया है, जिसके चलते आधा दर्जन मासूमों की मौत भी हो चुकी है। इसमें प्रभावी कानून भी हैं, लेकिन फिर भी ग्रामीण इलाकों में अंधविश्वास का यह खेल बदस्तूर जारी है। सीडब्ल्यूसी का कहना है कि यह सब अंधविश्वास और अशिक्षा के चलते हो रहा है। विगत कुछ माह में महात्मा गांधी चिकित्सालय में इस तरह की घटनाएं बड़ी है। महात्मा गांधी चिकित्सालय में साल भर में करीब 90 से अधिक मामले ऐसे सामने आए हैं।

मोडिफाईड साइलेंसर लगी बुलेट बाइक जब्त :- भीलवाड़ा में बुलेट पर धौंस जमाने वालों की खैर नहीं है। बुलेट के जरिये पटाखे मारना, जातिसूचक नाम लिखकर धमक जमाने जैसे कामों पर पुलिस एक्शन लेने लगी है। गंगापुर थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 15 मोडिफाईड साइलेंसर लगी बुलेट मोटरसाइकिलें जब्त की। थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय ने बताया कि अवैध ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले चालकों के खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। मौके पर सभी मोटरसाइकिलों के साइलेंसर खुलवाए गए और जांच की गई। जांच के दौरान कुछ वाहनों पर रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट पारंपरिक नंबरों के बजाय जाति या अन्य संगठनों के नाम लिखे पाए गए, जिन्हें हटवा दिया गया। इस अभियान से पुलिस का लक्ष्य सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक शांति बनाए रखना है। थाना पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसे वाहनों को चलाने से बचें और नियमों का पालन करें। ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार प्रयास करते रहेंगे।

उधारी के रुपए नहीं लौटाने पर पशु व्यापारी ने आत्महत्या की

व्यापारी ने सुसाइड नोट लिखकर जान दी, छोटे भाई ने बाड़े में जाकर देखा तो बड़ा भाई लटका नजर आया

श्रीगंगानगर, (निसं)। उधारी के रुपए नहीं लौटाने पर पशु व्यापारी ने सुसाइड नोट लिख कर जान दे दी। व्यापारी ने सुसाइड नोट में दो लोगों का जिक्र किया है। इसमें लिखा है कि इस मकान के दो लाख जमा हैं, एक लाख देना बाकी है। मंगतराम सहारण से 3 लाख 20 हजार रुपए लेने हैं। इसने गाय बेची है। मंदर से 3.50 लाख के कारण सुसाइड कर रहा हूं।

व्यापारी जब घर नहीं लौटा तो छोटे भाई ने गायों के बाड़े में जाकर देखा तो लोहे के गार्डर से बड़ा भाई लटका नजर आया। व्यापारी ने साफे से फंदा बना कर जान दी है। मामला श्रीगंगानगर के सादुलशहर थाना इलाके का सुबह नौ बजे का है। व्यापारी के परिजन अस्पताल की मोर्चरी के बाहर इकट्ठा हैं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मांगीलाल (25) निवासी वार्ड नं. 4 सादुलशहर (श्रीगंगानगर) के सुसाइड की सूचना मिली थी। शव को सादुलशहर के सरकारी

- कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों का धरना प्रदर्शन जारी, शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया
- मृतक शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं, परिजनों से समझाइश कर रही है पुलिस

अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। युवक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। इस पर जांच की जा रही है।

थाने में रिपोर्ट मांगीलाल के छोटे भाई छिन्द्रपाल ने दी है। इसमें बताया कि बड़ा भाई मांगीलाल पशुओं का व्यापारी था। देर रात को घर नहीं आया तो चिंता हुई। सुबह करीब 10 बजे गायों के बाड़े में जाकर देखा तो यहां में लगी लोहे की गार्डर से मांगीलाल का शव लटका हुआ था। बाड़े का गेट बाहर से बंद था। इसके बाद परिजनों ने मिलकर शव को साफे के बने फंदे से नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। छिन्द्रपाल ने बताया कि मांगीलाल की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने (मांगीलाल) ने लेनदेन के बारे में लिख रखा है। सुसाइड नोट में मंगतराम सहारण, मंदर से 6 लाख से अधिक पैसे लेने का जिक्र है। परिजनों का आरोप है कि आरोपी, मांगीलाल को पैसे नहीं दे रहे थे, जिसके कारण वह परेशान रहता था। इसी बात से परेशान होकर उसने सुसाइड कर लिया। घटना के बाद परिजन हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर धरना लगाकर बैठ गए और आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। परिजनों का धरना प्रदर्शन अभी भी जारी है और शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया है। मृतक शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों से समझाइश कर रही है।

अजमेर : तीन दुकानों का जर्जर छज्जा गिरा, दो वाहन मलबे में दबे

अजमेर, (निसं)। शहर के सबसे प्रमुख कचहरी रोड पर गुरुवार सुबह तीन दुकानों का जर्जर छज्जा अचानक भरभरा कर नीचे गिरने से मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि छज्जा गिरने से नीचे खड़े दो वाहन मलबे में दब गए। गनीमत यह रही कि जिस समय छज्जा गिरा, उस वक्त दुकानों के सामने कोई व्यक्ति नहीं खड़ा था, अन्यथा जनहानि हो सकती थी। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दुकानों की लीज अवधि बढ़ाने की मांग की ताकि दुकानदारों को राहत मिल सके।

जानकारी के अनुसार कचहरी रोड मुख्य मार्ग पर मोबाइल शॉप संचालक नरेंद्र सिंह छाबड़ा और पास ही विद्यार्थी रबर स्टाम्प की दुकान के ऊपर का जर्जर छज्जा अचानक भरभरा कर गिर गया। धमाके के साथ छज्जे गिरते ही मार्ग पर स्थित दुकानदारों और वहां से गुजर रहे राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। मलबा एक तरफ रोड पर गिरने से मार्ग जाम हो गया, जिससे करीब एक घंटे से

- हादसे के समय मौके पर कोई नहीं था

अधिक ट्रैफिक जाम में वाहन फंस रहे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई बाइक, ऑटो और कारें जाम में फंस गए। दुकान मालिकों ने अपने स्तर पर मजदूर लगाकर मुख्य मार्ग से मलबा हटावाया। दुकानदारों का कहना है कि वर्षों पुरानी दुकानें हैं, अधिकांश जर्जर हालात में हैं। फर्स्ट फ्लोर पर बनी दुकानों की हालत हो बद से बत्तर है। नगर निगम स्तर पर मरम्मत की अनुमति नहीं दी जाती और न ही निगम इनकी सुध ले रहा है। दुकानदार अशोक ने कहा कि बड़े हादसे से पहले निगम प्रशासन जागे नहीं तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। दुकानदार छाबड़ा का कहना है कि कचहरी रोड की दुकानें नगर निगम की हैं और इन्हें सालों पहले लीज पर दिया गया था। आज तक निगम किराया और लीज चार्ज तो लेता है, लेकिन दुकानों की मरम्मत और रख-रखाव पर ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा कि कई बार निगम प्रशासन को जर्जर छज्जों के बारे में लिखित में सूचना भी दी गई, लेकिन न तो मरम्मत की अनुमति दी और न ही निगम स्तर पर इनकी सुध ली गई। मालूम हो कि गांधी भवन से तोपदड़ा तिराहा तक करीब 150 दुकानें बनी हुई है, इनमें से कई दुकानदार अब असली लीजधारक भी नहीं हैं। कई का निधन हो गया है, कई ने दुकानें बेच दी हैं। रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से लीज अपडेट का प्रस्ताव सालों से अटका पड़ा है। तत्कालीन मेयर धर्मेंद्र गहलोत के समय में साधारण सभा में प्रस्ताव पारित हुआ था कि मौजूदा दुकानदारों को रिकॉर्ड अपडेट कर असल लीज जारी की जाए ताकि मरम्मत और कानून फॉर्मेलिटी हो सके, लेकिन फाइल आज भी अधूरी पड़ी है।

छज्जे गिरने पर श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ सहित अन्य व्यापारियों संगठनों ने सरकार से दुकानदारों को उनके प्रतिष्ठानों और दुकानो की लीज अवधि बढ़ाकर नहीं दिए जाने और उनके प्रतिष्ठानों का नियमन नहीं किए जाने से रोष जताया है।

नसबंदी शिविर में अवधिपार दवा वितरण का आरोप

फुलेरा, (निसं)। उपजिला अस्पताल फुलेरा में आयोजित नसबंदी शिविर में महिलाओं को एक्सपायर्ड (समाप्ति तिथि पार) दवाएं दिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि एक्सपायरी दवाई की जानकारी होने पर सभी मरीजों को फोन करके वापस अस्पताल बुलवाकर दवाई बदल दी गई थी। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार की ओर से अधिकृत संस्था की ओर से प्रतिमाह नसबंदी शिविर 5 तारीख को आयोजित किया जाता है, उसी कड़ी में बुधवार 5 नवंबर को शिविर के दौरान यह मामला सामने आया। शिकायतकर्ता गणपत नोदल व एमपीएस धन्नालाल नोदल ने उपखंड अधिकारी सांभरलेक ऋषिराज कपिल व चिकित्सा अधिकारीयों को लिखित शिकायत सौंपकर मामले की जांच व जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता गणपत नोदल की पत्नी आशा देवी को शिविर के बाद जो दवाएं दी गईं, जिनकी एक्सपायरी डेट अक्टूबर 2025 अंकित थी।

जैसलमेर के पास भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहली बार ड्रोन आर्मी उतारी

"त्रिशूल अभ्यास" में स्वदेशी ड्रोनों ने कठिन युद्ध स्थितियों में असाधारण सटीकता दी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहली बार ड्रोन आर्मी उतारी गई है। त्रिशूल युद्धाभ्यास के दौरान ड्रोन ने आसमान से बम दागे और दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया। गौरतलब है कि सेना ने एक ऐसा प्रोग्राम शुरू किया है जिसका नारा है-हर फौजी के पास चील (ईगल) जैसी नजर होगी। इसका मतलब है कि अब सेना खुद ही ऐसे ड्रोन बना रही है जो जंग के मैदान में कमाल दिखा सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारतीय सेना ने त्रिशूल अभ्यास के दौरान अपनी आसमानी सेना को भी अभ्यास में उतारा है और सेना अभ्यास ड्रोन के साथ दुश्मन को हर मोर्चे पर हराने के सफल प्रयोग कर रही है। यह पहल पूरी तरह से आत्मनिर्भर भारत की सोच पर आधारित है। दक्षिणी कमान ने इन ड्रोन को बनाने के लिए किसी और पर निर्भर न रहते हुए अपने अंदर ही एक पूरा सिस्टम तैयार कर लिया है। इसमें ड्रोन का डिजाइन बनाना, उसे विकसित करना और फिर बड़ी तादाद में बनाना शामिल है। सेना का मकसद साफ है कि जंग के लिए तैयार ड्रोन को सीधे सैनिकों के हाथ में देना। इस काम को सफल बनाने के लिए, सेना की ईएमई कोर (कोर ऑफ ईएमई), जो तकनीकी काम संभालती है और भारत के छोटे व मध्यम उद्योगों को साथ लाया गया है। दक्षिणी कमान ने कई ड्रोन हब बनाए हैं। ये हब नई पीढ़ी के ऐसे मानव रहित हवाई सिस्टम, यानी बिना इंसान वाले छोटे हवाई जहाज (ड्रोन) तैयार कर रहे हैं, जो तीन बड़े काम कर सकते हैं। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, यह सहयोग दिखाता है कि भारतीय सेना सिर्फ देश की रक्षा ही नहीं कर रही, बल्कि देश के छोटे-छोटे उद्योगों को भी मजबूत कर रही है। इन स्वदेशी ड्रोनों का असली टेस्ट हाल ही में चल रहे अभ्यास त्रिशूल में लिया जा रहा है। यह टेस्ट ऐसी मुश्किल जगहों पर किया जा रहा हैं जहां दुश्मन का खतरा ज्यादा था। ये मेक-इन-इंडिया ड्रोन हर कसौटी पर खरे उतरे। उन्होंने दिखाया कि वे कितने सही तरीके से टारगेट पर वार कर सकते हैं (सटीकता), कितनी देर तक उड़ सकते हैं (एंड्योरेंस) और जरूरत के हिसाब से कितनी जल्दी अपना मिशन बदल सकते हैं (फ्लेक्सिबिलिटी)। इन ड्रोनों का सफल होना एक बड़ी कामयाबी है। इसका मतलब है कि अब हमारी अपनी बनाई हुई तकनीक सीधे जंग के मैदान में इस्तेमाल की जा रही है। दक्षिणी कमान इस बदलाव में सबसे आगे खड़ी है। वे लगातार नई खोजों को सेना में शामिल कर रहे हैं, भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इन ड्रोन तकनीकों को सीधे लड़ाई के तरीकों में फिट कर रहे हैं। सेना का लक्ष्य स्पष्ट है कि एक ऐसी ताकत बनाना जो टेक्नोलॉजी से लैस हो, भविष्य के लिए तैयार हो और दुश्मनों से हर तरह की लड़ाई में हावी रह सके। ड्रोन पावर से, सीमा पर तैनात हर जवान को एक अतिरिक्त आंख मिल जाएगी, जिससे देश की सुरक्षा कई गुना बढ़ जाएगी। यह सिर्फ सेना की ताकत नहीं, बल्कि देश के हुनर की जीत है।

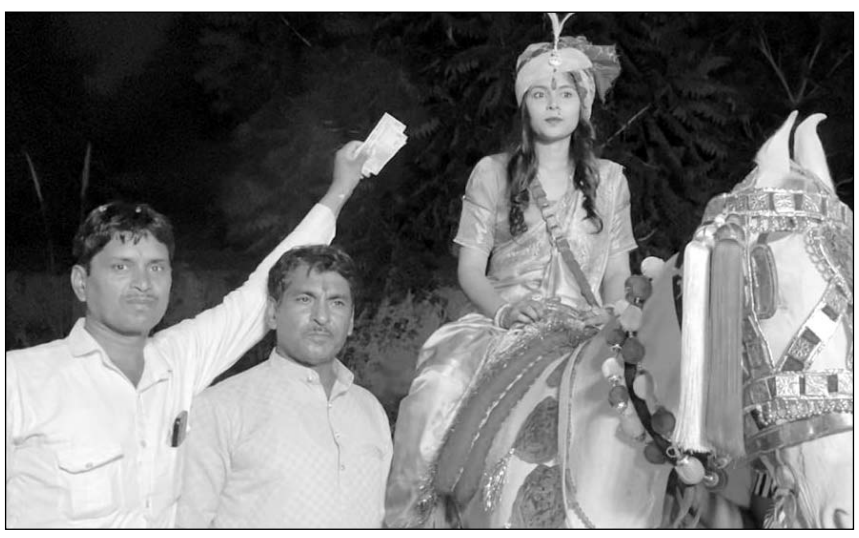

झुंझुनूं जिले के सुलताना कस्बे के पीपली चौक क्षेत्र में रहने वाले रामचंद्र कुमावत ने अपनी बेटी खुशबू की शादी के मौके को खास बनाते हुए उसे घोड़ी पर बैठाकर बिंदौरी निकाली। बिंदौरी के दौरान परिवार के सदस्य और रिश्तेदारों ने डीजे की धुनों पर जमकर डांस किया। घोड़ी पर बैठी खुशबू भी खुद को रोक नहीं पाई और ठुमके लगाकर इस पल को यादगार बना दिया। खुशबू ने कहा कि मेरे सपनों को पूरा करने में परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया है। आज मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मेरे माता-पिता ने मुझे बेटे की तरह सम्मान दिया।

सायबर अपराध में लिप्त छह आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय की सायबर क्राइम रोकथाम मुहिम के तहत क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने गुरुवार को अंतर्राज्यीय सिम सायबर क्राइम गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गिरोह के सदस्य मोबाइल सिम कस्टमर बनाने के नाम पर महिलाओं के आधार व पैन कार्ड लेकर फर्जी सिम जारी करने और एयरटेल पेमेंट बैंक में खाते खोलकर धोखाधड़ी करते थे। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन, एक फिंगरप्रिंट मशीन, 13 सिम, 13 आधार कार्ड, 5 पैन कार्ड और वारदात में उपयोग में ली गई एक अल्टो कार तक जब्त की है।

सहायक पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि मुकदमा मदनगंज निवासी राखी नायक की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। महिला ने बताया कि उनके परिचित बजरंग नायक ने उसे जियो कंपनी कस्टमर जोड़ने का लालच दिया और कहा कि हर कस्टमर पर 2500 रुपये मिलेंगे। इसी स्कीम में विश्वास दिलाकर महिलाएं लाने को कहा गया। कई महिलाओं से आधार-पैन कार्ड लेकर फॉर्म भरे गए और प्रत्येक महिला को 2500 रुपए नकद दे दिए गए। महिला को शक होने पर उसने क्रिश्चियन गंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। अब तक 12 महिलाओं के डॉक्यूमेंट लिए गए। ये लोग मोबाइल कंपनी के नाम पर महिलाओं के डॉक्यूमेंट का दुरुपयोग कर फर्जी सिम और फर्जी बैंक अकाउंट खोल सकते हैं और आम लोगों के साथ वित्तीय ठगी कर सकते हैं। उसने बताया कि डॉक्यूमेंट लेते समय महिला से कोई लिखित अनुमति नहीं ली गई न ही यह बताया गया कि दस्तावेज कहां उपयोग होंगे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रकाश ओझा, राजकुमार वैष्णव, बजरंग नायक, राजू जाट, नरेश माली और नंदकिशोर को गिरफ्तार कर लिया।

गांव के दबंगों ने रास्ता रोका, स्कूल नहीं जा पा रहे बच्चे

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के रैणी गांव लूनियाबास भूड़ा के बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि स्कूल का रास्ता दबंगों ने बंद कर दिया है। गुस्साए ग्रामीण और बच्चे सुबह कलेक्टर से मिलने पहुंच गए। उन्होंने तहसीलदार और पटवारी पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। ग्रामीण और बच्चों ने कहा कि गांव के दबंगों ने स्कूल का रास्ता रोक दिया है। कंटीले तार और पिलर लगाकर रास्ते को पूरी तरह रोक दिया।

ग्रामीण धर्म सिंह और रतनलाल ने बताया कि रैणी के एसडीएम और तहसीलदार की मनमर्जी के कारण आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते पर अतिक्रमण होने के कारण बच्चे स्कूल और ग्रामीण अपने खेतों पर नहीं जा पा रहे

- दबंगों ने कंटीले तार और पिलर लगाकर स्कूल जाने वाले रास्ते को पूरी तरह रोक दिया
- गुस्साए ग्रामीणों और बच्चों ने तहसीलदार और पटवारी पर दबंगों से मिलीभगत के आरोप लगाये

हैं। उन्होंने कहा कि उनके खेतों के खसरा नंबर 2085, 2086, 2087, 2088, 2060 और 2062 हैं। इन खेतों तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता खसरा नंबर 2096, 2095, 2092, 2091 और 2089 से होकर गुजरता है, लेकिन गांव के विजय सिंह, चंद्रा देवी, उग्रसेन, केवलराम, पुरुषोत्तम राम और रामहेत ने रास्ते पर कंटीले तार और पिलर लगाकर आवागमन पूरी तरह रोक दिया है।

उनका कहना है कि उपखण्ड अधिकारी रैणी ने 6 जून 2025 को धारा 251(क) के तहत उनके पक्ष में निर्णय देकर 12 फीट चौड़ा रास्ता स्वीकृत किया था। इसके बावजूद राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता दर्ज नहीं किया गया। तहसीलदार और पटवारी पर दबंगों से मिलीभगत के आरोप लगाए। ग्रामीणों ने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार मनमानी कर रहे हैं, वहीं न्यायालय के आदेश की भी अवहेलना की जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर रास्ता खुलवाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ट्रक में गौवंश ले जाने की सूचना पर कार्रवाई

सादुलपुर, (निसं)। तारानगर से देर रात ट्रक में गौवंश ले जाने की सूचना पर एक ट्रक का पीछा करने और चालक के साथ मारपीट करने के मामले में राजगढ़ थाना पुलिस ने दो वाहनों को जप्त कर 14 आरोपियों को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली कि तारानगर की तरफ से एक ट्रक आ रहा है, जिसके पीछे कुछ गाड़ियां लगी हुई हैं और लोग ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना के बाद जानकारी ली तो पता चला की ट्रक को अनाज मंडी से तेज रफ्तार में आते देखा, जिसके पीछे दो गाड़ियां लगी हुई थी। जब ट्रक एसडीएम कार्यालय के पास पहुँचा तो आगे रास्ता बंद होने से चालक वाहन छोड़कर भाग गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने कश्मीर निवासी ट्रक के परिचालक को पकड़कर मारपीट करनी शुरू कर दी और भीड़ जमा थी। पुलिस ने भीड़ को समझाइश की, लेकिन भीड़ में शामिल लोगों ने बताया कि वे तारानगर गौशाला के सदस्य हैं और उन्हें सूचना मिली थी कि ट्रक में गौवंश ले जाया जा रहा है। इसी कारण उन्होंने ट्रक का पीछा किया। हालांकि, चालक के भाग जाने पर उन्होंने ट्रक चालक के साथ मारपीट करने की कोशिश की। पुलिस ने स्थिति को काबू में लेते हुए 13 लोगों को मौके से शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया। दो वाहनों को जप्त करने की कार्रवाई की। थाना अधिकारी ने बताया कि मामले में अंकित थौरी, संजय शर्मा, डालूराम, लालचंद, विमल कुमार शर्मा, पवन कुमार, नवीन सैन, हनुमान, अमनदीप, नवदीप सिंह, हेमंत कुमार, नवीन सिंह, आसिफ तेली, बबलू को गिरफ्तार किया एव साथ ही भगवान सिंह का नाम भी प्रकरण में सामने आया है। मारपीट में ट्रक का आगे का शीशा व साइड ग्लास भी टूटा हुआ पाया गया। ट्रक परिचालक यासीर फयाज मलिक निवासी अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) को हल्की चोटें आईं, जिसे उपचार के लिए भेजा गया। थानां अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सभी आरोपियों को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीज किए गए वाहनों को थाना परिसर में खड़ा करवाया गया।

मसूदा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोयणा के रतनगढ़ में गुरुवार शाम को पास के जंगल में करीब बारह फुट लंबा अजगर दिखाई दिया। मवेशियों को लेकर आये चरवाहों ने समाजसेवी राजकुमार मेघवंशी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही राजकुमार मेघवंशी ने वन विभाग को खबर दी। थोड़ी ही देर में वनपाल सहायक बालूराम गुर्जर तथा वनपाल सेठ सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर का रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।

गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के गुर्गों पर कार्रवाई

झुंझुनूं पुलिस ने खास गुर्गे राहुल स्वामी की बहन और जीजा के घर दबिश दी, पुलिस ने चार लाख की नगदी तथा पांच मोबाइल जब्त किए

सिंघाना, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने अब गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के गुर्गों और फैंस पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। फैंस और गूर्गों की धरपकड़ के लिए पिछले करीब एक सप्ताह से एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में अभियान चलाया हुआ है। अब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगेस्टर लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के खास गूर्गे सीकर के फतेहपुर सदर थाने के हिस्ट्रीशीटर राहुल स्वामी रिनाऊ की बहन के ससुराल में दबिश देकर राहुल स्वामी रिनाऊ पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

सीकर जिले के फतेहपुर तहसील के रिनाऊ गांव का रहने वाला राहुल स्वामी मार्च 2024 से फरार है, जो लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र

- चार थानों की पुलिस के दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों ने सर्च किया

चारण का खास गूर्गा बताया जा रहा है। राहुल स्वामी की पुलिस को करीब पौने दो साल से तलाश है।

झुंझुनूं एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने इन दिनों रोहित गोदारा और अन्य गैंगेस्टरों के गूर्गों तथा फैन्स के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। इसी दौरान पुलिस के सूचना मिली कि लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण का खास गुर्गा फतेहपुर के रिनाऊ गांव का रहने वाला राहुल स्वामी अपने सिंघाना के बनवास निवासी शिव गौतम स्वामी और बहन काजल के संपर्क है। पुलिस को यह भी सूचना मिली कि राहुल स्वामी को उसका जीजा शिव गौतम स्वामी ना केवल आर्थिक मदद कर रहा है। बल्कि स्थानीय सूचनाएं भी उपलब्ध करवा रहा है। जिस पर बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर के नेतृत्व में चार थानों सिंघाना, बुहाना, पचेरी कलां और एंटी गैंगेस्टर टास्क फोर्स चिड़ावा की टीमों ने एक साथ सिंघाना के बनवास में स्थित राहुल स्वामी के बहन के ससुराल में दबिश दी। करीब तीन घंटे तक दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने पूरे घर में आलमारी से लेकर बैड तक चप्पा-चप्पा छान मारा। मौके से पुलिस ने चार लाख 92 हजार रूपए नगद तथा पांच मोबाइल जब्त किए है। इस कार्रवाई से झुंझुनूं में ही नहीं, बल्कि रोहित गोदारा गैंग में बड़ा हड़कंप मचा हुआ है।

एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि फरार हिस्ट्रीशीटर राहुल स्वामी रिनाऊ के जीजा शिव गौतम ने सिंघाना के बनवास में अच्छी खासी संपत्ति अर्जित कर रखी है, जिसे लेकर पुलिस को शक है कि कहीं रोहित गोदारा गैंग का पैसे से यह बेनामी संपत्ति तो नहीं है। सिंघाना पुलिस द्वारा इसी गैंग से ताल्लुकात रखने वाला सिंघाना इलाके का बदमाश रोहन गुर्जर उर्फ चेची उर्फ जसपाल को भी गत दिनों गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ और अन्य तकनीकी व मुखबिर से मिली जानकारी के बाद राहुल स्वामी के जीजा के घर दबिश दी गई है। इसके अलावा भी झुंझुनूं पुलिस की साइबर और सोशल मीडिया सैल लगातार सक्रिय है।

अभिषेक का निडर रवैया मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा नेतृत्व समूह के मज़बूत समर्थन का नतीजा है। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, अभिषेक की तारीफ में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्मृति मंधाना

तीन स्पिनर - नोमान अली, सेनुरन मुथुसामी और राशिद खान - अक्टूबर के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में हैं, जबकि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की स्टार खिलाड़ी ऐश गार्डनर, स्मृति मंधाना और लॉरा वुलफार्ट ने महिला वर्ग में जगह बनाई है। भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना और दक्षिण अफ्रीका की वुलफार्ट आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के बड़े मैचों में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद इस प्रतिष्ठित महिला मासिक पुरस्कार की दौड़े में हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर गार्डनर अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर विश्व कप 2025 की टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह बनाने वाली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तिकड़ी में शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला बल्लेबाज़ी की जब भी बात होती है तो लोगों के ज़ेहन में मिताली राज, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के नाम आते हैं लेकिन वनडे में भारत के लिए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली दीप्ति शर्मा हैं।

गेंदबाजों के दम पर भारत ने बनाई 2-1 की बढ़त

करारा (ऑस्ट्रेलिया) 6 नवंबर। वॉशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को 48 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

भारत ने शुभमन गिल (46), अभिषेक शर्मा (28),शिवम दुबे (22), कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) और अक्षर पटेल (नाबाद 21) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में मात्र 119 रन पर ढेर हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 37 जोड़े। कप्तान मिचेल मार्श ने 30 और मैथ्यू शॉर्ट ने 25 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया एक समय दो विकेट पर 70 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के सामने उसने अपने अंतिम आठ विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिये। सुंदर ने तीन विकेट निकाले जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती

को एक-एक विकेट मिला। अक्षर पटेल को नाबाद 21 रन बनाने और दो विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भारत इस बढ़त के बाद अब सीरीज नहीं गंवा सकता और उसकी कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज कब्जाने की रहेगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी मैच में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगा। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े।

सातवें ओवर में एडम जम्पा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली।

भारत का दूसरा विकेट 12वें ओवर में शिवम दुबे के रूप में गिरा। उन्हें नेथन एलिस ने बोल्ड आउट किया। दुबे ने 18 ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। इसके बाद एलिस ने 15वें ओवर में शुभमन गिल को बोल्डकर भारत के स्कोर पर अंकुश लगाने का काम किया। शुभमन गिल ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 46 रन बनाये।

अगले ही ओवर में जेवियर बार्टलेट ने सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बना लिया। सूर्यकुमार यादव ने 10 गेंदों में दो छक्के लगाते हुए 20 रन बनाये। तिलक वर्मा (पांच) जितेश शर्मा (तीन), वॉशिंगटन सुंदर (12) और अर्शदीप सिंह (शून्य) पर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रनों का स्कोर खड़ा किया। जो अंततः मैच विजयी साबित हुआ। अक्षर पटेल 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस और एडम जम्पा ने तीन-तीन विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टॉयनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

वुमेन वर्ल्ड कप विनर्स को गिफ्ट की जाएगी टाटा सिएरा

नयी दिल्ली, 6 नवंबर। महिला क्रिकेट टीम ने इस साल वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। अब देश की ऑटोमोबाइल दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स ने इन विजेताओं के सम्मान में बड़ा कदम उठाया ह। कंपनी ने घोषणा की है कि वह 25 नवंबर 2025 को लॉन्च होने वाली अपनी फ्लैगशिप एसयूवी (टाटा सिएरा) का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट करेगी। इस दौरान टीम की हर खिलाड़ी को मिलेगा इस एसयूवी का टॉप मॉडल, जिसमें कंपनी की नवीनतम टेक्नोलॉजी और फीचर्स शामिल होंगे।

यह कारें टीम की उन खिलाड़ियों को समर्पित हैं, जिन्होंने विश्व कप में असाधारण प्रदर्शन कर इतिहास रचा। इस अवसर पर टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ शैलेश चंद्रा ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन और शानदार जीत से पूरे देश को गर्व महसूस कराया है।

उनका यह सफर दृढ़ संकल्प और विश्वास की शक्ति का सच्चा उदाहरण है - वे गुण जो हर भारतीय को प्रेरित करते हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में, हमें गर्व है कि हम इन महान खिलाड़ियों को एक और दिग्गज उपहार में दे रहे हैं - द टाटा सिएरा। यह हमारे द्वारा उनके जज़्बे और देश को दिलाई गई शान को सलाम है - दो दिग्गज, एक जज़्बा, अनंत प्रेरणा।

गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाला : सूर्यकुमार

करारा, 6 अक्टूबर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी 20 जीतने और सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाने का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए गुरूवार को कहा कि गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार ख़ुद को अच्छी तरह से ढाला।

सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, सभी बल्लेबाज़ों को इसका श्रेय जाता है। शुभमन और अभिषेक ने अच्छी शुरुआत दिलाई और बाद में आने वाले सभी बल्लेबाज़ों ने अपना योगदान दिया तो मुझे लगता है कि बल्लेबाज़ों की ओर से यह एक कम्पलीट टीम एफर्ट था। ड्यू पड़ रही थी लेकिन गेंदबाजों ने परिस्थितियों के अनुसार ख़ुद को अच्छी तरह से ढाला। हमेशा ऐसे गेंदबाज़ों का टीम में होना अच्छा होता है जो जरूरत पड़ने पर कुछ ओवर डाल सकें। अंतिम मैच के लिए काफ़ी उत्सुक हूं।

प्लेयर ऑफ़ द मैच बने अक्षर पटेल ने कहा, मैं नंबर सात पर बल्लेबाज़ी के लिए गया और मेरे पास विकेट भांपने का समय था, साथी बल्लेबाज ने बताया कि पिच बल्लेबाज़ी के लिए आसान नहीं है और गेंद रुक कर आ रही है। टीम की जरूरत के हिसाब से खेलने पर मेरा ध्यान रहता है कोई मेरी पसंद का नंबर नहीं है मैं बस टीम के लिए योगदान देकर ख़ुश हूं। बतौर गेंदबाज मैं यही सोचता हूं कि बल्लेबाज का मजबूत पक्ष क्या है।

मेरी योजना यही रहती है कि अगर बल्लेबाज़ मुझे हिट करे तो मैं गुड लेंथ एरिया के आसपास गेंद डालूं। और अगर वह स्वीप का प्रयास करते हैं तो फ़ुलर लेंथ गेंद डालूं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने हार के बाद कहा, 167 का स्कोर पार स्कोर था। इस तरह की चेज में आपको अच्छी साझेदारियों की ज़रूरत होती है और हमें वो नहीं मिलीं। भारत ने काफ़ी अच्छी क्रिकेट खेली, आदर्श स्थिति तो यही होती है कि हम हमेशा सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेलें लेकिन आगे बड़ी सीरीज आने वाली है।

आप युवा लड़कियों के लिए रोल मॉडल है: मुर्मु

नयी दिल्ली, 6 नवंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के मुलाकात की और कहा कि वे आज युवा पीढ़ी की लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

आज यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने ट्रॉफी लेकर राष्ट्रपति मुर्मु के साथ फोटो खिंचवाई। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट की।

इस अवसर पर मुर्मु ने कहा, "आप युवा पीढ़ी, विशेषकर लड़कियों के लिए रोल मॉडल बन गई हैं, इससे वह जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी।"

राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हर सदस्य को बधाई दी और कहा कि उन्होंने क्रिकेट विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया है। देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह टीम भारत को दिखाती है। वे अलग-अलग क्षेत्रों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि, अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन वे एक टीम हैं - भारत। यह टीम भारत को उसके सबसे अच्छे रूप में दिखाती है।

मुर्मु ने कहा कि टीम ने सात बार की विश्व चैंपियन और उस समय तक अजेय रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को सेमीफाइनल में हराकर सभी भारतीयों का अपनी काबिलियत पर विश्वास मजबूत किया है। एक मजबूत टीम के खिलाफ एक मुश्किल मैच में बड़े अंतर से फाइनल मैच जीतना टीम इंडिया की उत्कृष्टता का एक यादगार उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वे रोल मॉडल बन गई हैं। युवा पीढ़ी, खासकर लड़कियां, जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जिन खूबियों से उन्होंने इतिहास रचा है, उन्हीं खूबियों से वे भविष्य में भी भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान टीम के सदस्यों ने उम्मीद और निराशा के उतार-चढ़ाव का अनुभव किया होगा। कभी-कभी उनकी नींद भी उड़ी होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद, लोगों को पूरा विश्वास हो गया था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारी बेटियां ही जीतेंगी।

जूनियर एशिया कप ट्रायल में 4 खिलाड़ियों मे राजस्थान के तीन तीरंदाज भारतीय टीम में

जयपुर, 6 नवम्बर। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित जूनियर सेलेक्शन ट्रायल फॉर एशिया कप स्टेज-3, जेद्दा (2025) में राजस्थान के तीन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कम्पाउन्ड पुरूष भारतीय टीम में स्थान बनाया है। यह पहला अवसर है जब राजस्थान के तीन तीरंदाज एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा बने हैं।

राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि यह राज्य के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि एक ही राज्य से तीन युवा तीरंदाज प्रधुमन यादव वसु यादव . देवांश सिंह कम्पाउन्ड कैटेगरी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर भारतीय टीम में जगह बनाई है। राजस्थान तीरंदाज़ी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान के युवा तीरंदाज लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर मिल रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान तीरंदाजी अब देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो चुकी है। राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, राजस्थान तीरंदाज़ी संघ के चेयरमैन गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित राज्य संघ के सभी पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने तीनों तीरंदाजों को भारतीय टीम में चयनित होने पर हार्दिक बधाई दी। यह उपलब्धि राजस्थान के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण क्षण है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

फीफा करेगा लोगों को 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित

जिनेवा, 6 नवंबर। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) दुनिया में संघर्षों को समाप्त कराने वाले और शांति के प्रयास करने वाले लोगों को आगामी विश्वकप के फाइनल ड्रा के दौरान 'फीफा शांति पुरस्कार' से सम्मानित करेगा। फीफा ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, फीफा शांति पुरस्कार - फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है, यह दुनिया भर के पांच अरब से ज़्यादा फुटबॉल पसंद करने वाले लोगों की ओर से दिया जाएगा। फुटबॉल में और फुटबॉल के लिए अपने रोज़ाना के कामों से, ये सभी लोग फीफा के आदर्श वाक्य फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है।

राजस्थान अंडर 23 वीमेन प्रशिक्षण शिविर व अभ्यास मैचों के लिए खिलाडी घोषित

अंडर 19 डेज चैलेंजर ट्रॉफी आज से जयपुर में

बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय इलीट ग्रुप मैच जयपुर में खेले जायेंगे

जयपुर, 6 नवम्बर। बीसीसीआई की आगामी वीमेन अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान वीमेन चयन कमेटी राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम के प्रशिक्षण शिविर व अभ्यास मैचों के लिए खिलाडियों का चयन किया :-

चयनित खिलाडी :- चंद्रज्योत्सनाभाटी, डिंपल कँवर, बबिता, शानू सेन, सिद्दीशर्मा, उषा परेरिया, अर्चना योगी, अदिति चौहान, ऋतू लोढ़ा, याना वर्मा, निधि सैनी, प्रियंका चौधरी, रिज़ा शेख, चहक बत्रा, वंशिका यादव, भाविनीभार्गव, अंजलि जाट, पार्वती, नंदिनी पालीवाल, एंजेल चौधरी।

राज्य स्तरीय अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी कल से जयपुर में खेली जाएगी।

बीसीसीआई की आगामी अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा कल दिनांक 7 नवम्बर से राज्य स्तरीय अंडर 19 डेज चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करेगा , आरसीए जूनियर कमेटी ने अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी की 8 टीमों हेतु खिलाडियों का चयन किया। अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी के मैच पी एस ग्राउंड , जी आर ग्राउंड , सोलफील ग्राउंड व रणवीर सिंह ग्राउंड पर खेले जायेंगे। बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय इलीट ग्रुप मैच राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आगामी 9 नवम्बर से जयपुर में बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी (इलीट ग्रुप) मैच खेले जायेंगे।

बीसीसीआई अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली टीमें :-

उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, विधर्भ, तमिल नाडु, कर्नाटका, त्रिपुरा, हैदराबाद।

9 नवम्बर को खेले जाने वाले मैच :- सवाई मान सिंह स्टेडियम कर्णाटक - उत्तर प्रदेश, जैपुरिया ग्राउंड तमिल नाडु - विधर्भ, अनंतं ग्राउंड हिमाचल प्रदेश - त्रिपुरा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ रोमांचक जीत से न्यूजीलैंड ने बराबरी हासिल की

आकलैंड, 6 नवंबर। गुरुवार को रोवमैन पॉवेल की 16 गेंदों में 45 रनों की तूफानी पारी के बावजूद वेस्टइंडीज का 208 रनों के लक्ष्य के लिए आखिरी ओवरों में आक्रामक रुख बेकार गया और न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को ईडन पार्क में 3 रनों से रोमांचक जीत हासिल कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, मेहमान टीम 13वें ओवर तक 6 विकेट पर 83 रन बनाकर लड़खड़ा रही थी। हालांकि, रोमारियो शेफर्ड (16 गेंदों में 34 रन) और मैथ्यू फोर्ड (13 गेंदों में नाबाद 29 रन) के साथ पॉवेल ने आखिरी चार गेंदों पर 7 रन का लक्ष्य ला दिया। लेकिन काइल जैमीसन ने अपनी धीमी गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया और आखिरी चार गेंदों पर केवल तीन रन दिए और मेजबान टीम को सीरीज बराबर करने में मदद की।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर अच्छी शुरुआत की, सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और टिम रॉबिन्सन ने सिर्फ़ सात ओवरों में 55 रनों की साझेदारी की। दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी-जल्दी आउट हो गए, और लय बनाए रखने की ज़िम्मेदारी रचिन रवींद्र और मार्क चैपमैन पर आ गई। हालाँकि पारी की शुरुआत में दोनों ने काफी संयमित प्रदर्शन किया, लेकिन 13वें ओवर की समाप्ति तक न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 81 रन हो गया, लेकिन इसके बाद चैपमैन ने ताबड़तोड़ पारी खेली।

उन्होंने शेफर्ड की लगातार गेंदों पर तीन छक्के और एक चौका जड़ा और फिर कुछ ओवर बाद जेडन सील्स पर 23 रन मारे। रवींद्र के दो ओवरों के बीच आउट होने के बाद भी, डेरिल मिशेल ने आक्रमण में शामिल होकर अकील होसेन की गेंदों पर तीन छक्के जड़कर पारी को और तेज किया। डेथ ओवरों में जाने से पहले उन चार ओवरों में बटोरे गए 82 रन, मुकाबले का निर्णायक मोड़ साबित हुए।

वेस्टइंडीज ने अगले तीन ओवरों में थोड़ी वापसी की, लेकिन आखिरी ओवर में मिशेल सैंटनर और मिशेल ने सील्स पर 19 रन बटोरकर न्यूजीलैंड को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

जवाब में, वेस्टइंडीज की शुरुआत बहुत धीमी रही। ब्रैंडन किंग पहले ओवर में तीसरी गेंद पर शून्य पर आउट हो गए, जबकि एलिक अथानाज़े तीन छक्के और कुछ चौके लगाने के बावजूद, मेहमान टीम को शुरुआत में ज़रूरी ताकत नहीं दे पाए। पावरप्ले खत्म होने तक, वे अभी भी एक गेंद पर रन बना रहे थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पावरप्ले के बाद जल्दी-जल्दी तीन विकेट चटकाए जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि जमे हुए बल्लेबाज़ों को जरूरी गति नहीं मिल पाए, जिससे 11वें ओवर की समाप्ति पर वेस्टइंडीज का स्कोर 4 विकेट पर 74 रन हो गया।

क्वार्टर फाइनल में बालक और बालिका वर्ग में जयपुर ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

जयपुर, 6 नवम्बर। रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लालचंदपुरा निवारू रोड में आयोजित 35वीं सब-जूनियर राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में रोमांच और प्रतिस्पर्धा चरम पर रही। बालिका वर्ग में बीकानेर और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के बीच खेले गए मुकाबले में बीकानेर ने मात्र एक अंक से जीत हासिल कर दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। वहीं, भरतपुर और अलवर के बीच मुकाबले में भरतपुर ने 60-33 के स्पष्ट अंतर से जीत दर्ज की। चूरू और श्रीगंगानगर के बीच भी मुकाबला बेहद कड़ा रहा, जिसमें 53-52 के अंतर से चूरू विजयी रही। इसके बाद जयपुर ने राजसमंद को 21 अंकों के अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बालक वर्ग में हनुमानगढ़ और अजमेर के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें हनुमानगढ़ ने 23 अंकों से जीत हासिल की। शहर और टाउन की टीमों के मध्य खेले गए मुकाबले में शहर की टीम ने 10 अंकों के अंतर से जीत दर्ज की। बीकानेर ने झुंझुनू को 34 अंकों से हराया और जयपुर ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को 3 अंकों के अंतर से मात देकर सेमीफाइनल की टिकट पक्की की।

दोनों वर्गों में जयपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन और खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना की प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों ने न केवल शारीरिक कौशल बल्कि टीम भावना, अनुशासन और खेल भावना का अद्भुत प्रदर्शन किया।

सिंधु लॉस एंजेलिस 2028 में तीसरा ओलंपिक पदक जीत सकती हैं : सायना

मुंबई, 6 नवंबर। लंदन 2012 ओलंपिक पदक विजेता सायना नेहवाल का मानना है कि साथी शटलर पीवी सिंधु के पास लॉस एंजेलिस 2028 खेलों में तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर इतिहास रचने का "अनुभव" और दृढ़ संकल्प दोनों है। इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई में आयोजित फिट इंडिया नेशनल फिटनेस एंड वेलनेस कॉन्क्लेव के दौरान कहा कि सिंधु की जीत की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि "वह लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक से पहले अपने शरीर और फॉर्म को कितनी अच्छी तरह प्रबंधित करती हैं।"

बैंक आफ बड़ौदा कॉर्पोरेट गोल्फ लीग में राजस्थान के दो पूर्व डीजीपी भी खेलेंगे

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान पुलिस के दो पूर्व महानिदेशक अब रामबाग गोल्फ कोर्स पर बुधवार से शुरू हुई बैंक आफ बड़ौदा कार्पोरेट गोल्फ लीग में खेलते नजर आएंगे। पूर्व पुलिस महानिदेशक सुनील मल्होत्रा और सुनील दत्त को लीग की टीम एसबीजे मल्टीकॉम में शामिल किया गया है। टीम के ओनर और राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने आज यहां बताया कि संजीव सिंह की कप्तानी में खेल रही टीम में सुनील मल्होत्रा और सुनील दत्ता के अलावा अमी लाल, दिग्विजय ढाबरिया, हरपाल सिंह और प्रदीप टांक शामिल हैं।

अनिल व्यास ने बताया कि बैंक आफ बड़ौदा कार्पोरेट लीग में जयपुर की 37 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ये लीग तीन माह तक चलेगी और इसका फाइनल मुकाबला जनवरी में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों को चार ग्रुपों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में विजेता टीम को 4 लाख रु पए की नगद पुरस्कार राशि मिलेगी। उपविजेता को 2.75 लाख, तीसरे स्थान की टीम को 2 लाख और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 1.25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 अभियान ड्रॉ के साथ समाप्त किया

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबले में दिल्ली एफसी के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 अभियान खत्म किया।

राजस्थान यूनाइटेड ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले हाफ में तेज़ ट्रांज़िशन और अटैकिंग खेल से दबदबा बनाए रखा। पेड्रो एस्ट्राय ने 23वें मिनट में नाओबा मेइतेई के एक शानदार असिस्ट पर सटीक फिनिश के साथ गोल करके टीम को बढ़त दिलाई, जिससे टीम के शानदार पासिंग रिदम का पता चला। यह मोमेंटम जारी रहा और रॉबिन्सन रेंडन ने 34वें मिनट में एलन थापा के एक अच्छे पास को गोल में बदलकर राजस्थान यूनाइटेड को हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, दूसरा हाफ डेज़र्ट वॉरियर्स के

लिए प्लान के मुताबिक नहीं रहा, क्योंकि स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने दो गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया।

ड्रॉ के बावजूद, राजस्थान यूनाइटेड ने पूरे अभियान के दौरान लचीलापन, टीम वर्क और अटैकिंग क्वालिटी दिखाई, और तीन मैचों में 4 पॉइंट्स के साथ अभियान खत्म किया।

मैच के बाद, हेड कोच विक्रांत शर्मा ने कहा: मुझे इस टीम के हर एक खिलाड़ी पर गर्व है। हमने यह कॉम्पिटिशन जोश के साथ शुरू किया और दिल से खत्म किया। आज पहले हाफ में हमने वह क्वालिटी दिखाई जो हमने बनाई है, और हालांकि हम क्वालिफाई करने से चूक गए, लेकिन मैं एक ऐसी टीम देखता हूं जो हर दिन मज़बूत हो रही है। फुटबॉल पलों के बारे में है, और हमारे पल भी आएंगे। कभी-कभी फुटबॉल बहुत कम अंतर से हार-जीत तय करता है, लेकिन हमारा जज़्बा और जोश मज़बूत बना हुआ है। चेयरमैन के.के. टाक ने टीम और सपोर्टर्स के लिए एक इमोशनल मैसेज दिया:

यह कैंपेन राजस्थान यूनाइटेड के लिए एक और कदम आगे था। हमने पूरे समय कैरेक्टर, क्वालिटी और यूनिटी दिखाई। पेड्रो और रॉबिन्सन ने आगे बढ़कर लीड किया, और हर खिलाड़ी ने अपना बेस्ट दिया। हो सकता है कि हम क्वालिफाई न कर पाए हों, लेकिन प्रोग्रेस साफ दिख रही है, और राजस्थान फुटबॉल की भावना पहले से कहीं ज़्यादा चमक रही है। लगातार विश्वास बनाए रखने के लिए हमारे फैंस का धन्यवाद। हम और मज़बूत होकर लौटेंगे।

फॉरवर्ड रॉबिन्सन, जिन्होंने फिर से गोल किया, ने शेयर किया: कंट्रोल में होने के बाद इस तरह से कैंपेन खत्म करना मुश्किल है, लेकिन हमने अपना सब कुछ दिया। टीम स्पिरिट बहुत अच्छी है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे।

क्लब पूरे टूर्नामेंट में लगातार सपोर्ट के लिए सभी सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा करता है और आने वाली चुनौतियों के लिए पॉजिटिव बातों पर आगे बढ़ने की उम्मीद करता है।

नैना की जीत में मनन व परमवीर चमके

जयपुर, 6 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में नैना क्रिकेट एकेडमी ने मनन मीणा 22 रन पर 6 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा परमवीर शर्मा 67 रन के अर्द्धशतक की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 249 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने नैना क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करने के लिये आमंत्रित किया। उसके परमवीर शर्मा 67 रन, निश्चल शर्मा 48 रन, तनिश यादव 40 रन नाबाद, कव्यांश शर्मा 27 रन, आयुष शर्मा 25 रन नाबाद की बदोलत निर्धारित 40 ओवर में 5 विकेट खोकर 299 रन बनाये। गेंदबाजी में डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्षित, ध्रुव खेरजानी, आहद व अशोक प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में डायमण्ड किक्रेट एकेडमी की ओर से ओपनर जय शर्मा 14 रन नाबाद को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नैना किक्रेट एकेडमी गेंदबाजों मनन मीणा 7 ओवर, 2 मेडन, 22 रन, 6 विकेट, जिज्ञांश मीणा 6 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बिल्कुल नहीं टिक सके व पूरी टीम 17.2 ओवर में 50 रन पर सिमट गयी।

जम्मू-कश्मीर में नार्को-टेरर फंडिंग में पूर्व विधायक के परिसरों की तलाशी

ईडी ने पूर्व विधायक जतिंदर सिंह के कठुआ आवासीय परिसर की तलाशी ली

पुलिस ने 2022 में जम्मू में मोहम्मद शाह नाम के व्यक्ति को जतिंदर सिंह को हवाला के माध्यम से 6.9 लाख रुपये पहुंचाने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया था।

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का जम्मू स्थित उप-क्षेत्रीय कार्यालय नार्को-टेरर फंडिंग की जाँच के सिलसिले में जम्मू में दो और कश्मीर में चार परिसरों की तलाशी ले रहा है।

इस छापेमारी में पूर्व विधायक और मंत्री जतिंदर सिंह उर्फ बाबू सिंह के कठुआ आवासीय परिसर की भी तलाशी ली गयी है।

एजेंसी के अनुसार, मोहम्मद शरीफ शाह नामक व्यक्ति को पुलिस ने 30 मार्च, 2022 को कश्मीर से जम्मू में जतिंदर सिंह को हवाला के माध्यम से 6.9 लाख रुपये पहुँचाने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया था। इस धनराशि का उद्देश्य जम्मू में अलगाववादी समूहों को विध्वंसक गतिविधियाँ करने के लिए धन मुहैया कराना था। मामले की विस्तृत जाँच में आरोपी सैफ दीन, फारूक अहमद नायकू, मुबाशिर मुश्ताक फाफू और अन्य लोगों से जुड़े एक पूरे गठजोड़ का पता चला।

इस नेटवर्क में पाकिस्तान में कुछ लोग भी शामिल थे, जो विध्वंसक गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु एक नार्को-टेरर मॉड्यूल चला रहे थे।

ईडी के एक अधिकारी ने बताया, "संबंधित बैंक खातों की जांच से पता चला कि आरोपी फारूक अहमद नायकू ने एक नार्को-टेरर फंडिंग नेटवर्क का संचालन किया था। पाकिस्तान से तस्करी की गई हेरोइन वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में बेची गई और इस बिक्री से प्राप्त दो करोड़ रुपये से अधिक की नकद राशि उसी अवधि में श्रीनगर के स्थानीय बैंक खातों में जमा की गयी।"

इसके बाद यह धनराशि दुबई में काम करने वाले भारतीय नागरिकों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई, जिन्होंने धन के स्रोत को छिपाने के लिए "म्यूल खाते" के रूप में काम किया। दुबई में निकाली और जमा की गई इस आपराधिक आय को पाकिस्तान से गतिविधियों को संचालित करने वाले हिज्बुल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों तक पहुँचाया गया।

वाम संगठनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से रहा। वाम संगठन की उम्मीदवार अदिति मिश्रा को 1937 वोट मिले और उपाध्यक्ष के पद पर के गोपिका को 3101 वोट, महासचिव पद पर सुनील यादव को 2002 वोट, जबकि संयुक्त सचिव पर दानिश अली को 2083 वोट मिले।

प्रधानमंत्री चार नयी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ नवंबर को चार नयी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बताया कि ये नयी ट्रेनें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम बेंगलुरु मार्गों पर चलेंगी। मोदी शनिवार सुबह लगभग 8:15 बजे वाराणसी में एक समारोह के दौरान वाराणसी-खजुराहो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

ट्रंप की ज्यादतियों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने चुनाव परिणाम जानने के लिए टीवी देख रहे राष्ट्रपति पर कटाक्ष करते हुए कहा, "डॉनल्ड ट्रंप, चूँकि मैं जानता हूँ कि आप टीवी पर देख रहे होंगे, मेरे पास आपके लिए चार शब्द हैं, (टीवी की) आवाज़ तेज़ कर लीजिए।"

बाद में वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति उस समय सचमुच टीवी देख रहे थे।

ममदानी ने कहा कि वे ट्रंप की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और न्यूयॉर्क सिटी ट्रंप और उनकी राजनीति को पराजित करने का एक मॉडल पेश करेगा।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप, मेरी बात याद रखिए, अगर आप हममें से किसी तक पहुंचना चाहते हैं, तो आपको हम सब से होकर गुजरना होगा।"

ममदानी के पास ट्रंप प्रशासन का सीधा मुकाबला करने के लिए, अदालत के रास्ते के अलावा, बहुत ही सीमित साधन हैं। उन्होंने शहर के विधि विभाग में 200 अतिरिक्त वकील नियुक्त करने का ऐलान किया है, ताकि राष्ट्रपति के अतिरेक का कानूनी जवाब दिया जा सके।

अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने कई बार दिखाया है कि वे राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए संघीय ताकत का उपयोग करने में हिचकते नहीं। उन्होंने डेमाक्रेट्स-शासित राज्यों और शहरों के अरबों डॉलर के संघीय अनुदान काट दिए हैं, जिनमें न्यूयॉर्क सिटी भी शामिल है। उन्होंने डेमोक्रेट-शासित शहरों में स्थानीय सरकार की इच्छा के विरुद्ध "नेशनल गार्ड" भेजा है और अपने राजनीतिक विरोधियों, जिनमें न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं, पर कार्रवाई के निर्देश अपने जस्टिस डिपार्टमैंट को दिए हैं।

लेकिन राष्ट्रपति के कुछ सहयोगियों ने निजी तौर पर कहा कि ममदानी की जीत ट्रंप के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। इससे वे अपने पुराने तरीके को दोहरा सकते हैं, यानी डेमोक्रेटिक नेताओं को निशाना बनाकर अपनी राजनीति को मजबूत कर सकते हैं। पहले भी उन्होंने नैंसी पेलोसी, अलेक्ज़ांड्रिया ओकासियो-कोर्टेज़ और डेमोक्रेट समर्थक अरबपति जॉर्ज सोरोस को इसी तरह निशाना बनाया था।

डेमोक्रेटिक प्राइमरी (प्राथमिक) चुनाव में ममदानी की अप्रत्याशित जीत के बाद से ट्रंप और उनके सहयोगी उन्हें "भविष्य का चेहरा" बताकर, पूरी पार्टी को चरमपंथी दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार को जब ट्रंप ने महिलाओं के खेलों में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों की भागीदारी की अनुमति देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना की, तो उन्होंने ममदानी का भी नाम लिया और कहा, "उन्हें यह अच्छा लगता है कि पुरुष महिलाओं के खेल खेलें।"

ममदानी ने घोषणा की है कि वे ट्रांसजेंडर न्यूयॉर्कवासियों के अधिकारों की रक्षा करेंगे और शहर को एलजीबीटीक्यू निवासियों के लिए "सुरक्षित ठिकाना" बनाएंगे, ताकि ट्रांसजेन्डर लोगों के प्रति ट्रंप की भेदभावपूर्ण नीतियों का मुकाबला किया जा सके। उन्होंने ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के मुद्दे पर सीधे टिप्पणी नहीं की, लेकिन उनके प्रवक्ता ने उनके रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि उनका रुख हमेशा समान अधिकारों के पक्ष में रहा है।

ममदानी, जो कहते हैं कि वे एक लोकतांत्रिक समाजवादी हैं, "कम्युनिस्ट" नहीं, ट्रंप से टकराने से बिल्कुल नहीं डरते। बुधवार सुबह उन्होंने इस बात की चिंता को खारिज कर दिया कि उन्होंने अपने विजय-भाषण में ट्रंप को उकसाने की कोशिश की थी। नव-निर्वाचित मेयर ने न्यूयॉर्क1 पर दिये एक इंटरव्यू में कहा, अगर राष्ट्रपति सचमुच सस्ते किराने के सामान और जीवनयापन की कम लागत के अपने वादे पूरे करना चाहते हैं, तो मैं सहयोग करने को तैयार हूँ, लेकिन अगर वे इस शहर के लोगों के खिलाफ आए, तो मैं हर कदम पर उनके सामने खड़ा रहूंगा।

इकॉनमी व रोज़मर्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आंकड़े कागज़ पर बेहतर दिखते हैं। लेकिन घरेलू निवेश या उत्पादन में वास्तविक उछाल नहीं दिखा है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र, खासकर टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में लगभग ठहराव की स्थिति है, और कंपनियों का पूंजीगत निवेश भी बहुत मामूली बढ़ा है। यानी जिस विकास की ट्रंप बात करते हैं, वह आम अमेरिकियों के लिए ठोस समृद्धि या आर्थिक सुरक्षा में नहीं बदल पा रहा।

जनता की भावना भी बयानबाजी और वास्तविकता के बीच के इस अंतर को दिखाती है। सितंबर के अन्त में रॉयटर्स-इप्सोस के सितंबर के अंत में सर्वे में 54 प्रतिशत अमेरिकियों ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था गलत दिशा में जा रही है। कई लोगों को डर है कि ट्रंप की टैरिफ नीति, जो अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के नाम पर लागू की गई है, वास्तव में आयातित वस्तुओं के दाम बढ़ाकर महंगाई को और बढ़ा देगी। एसोसिएटेड प्रेस के सर्वे में आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि टैरिफ से उनकी जीवन-यापन लागत और बढ़ेगी। यही आर्थिक चिंता ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट का एक बड़ा कारण है। द गार्जियन के अनुसार, उनकी अप्रूवल रेटिंग दर अब 37 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो उनके कार्यकाल के सबसे निचले स्तरों में से एक है।

इस प्रकार, ट्रंप की फलती-फूलती अर्थव्यवस्था का दावा चुनिंदा आँकड़ों पर टिका है, जबकि आम अमेरिकियों का अनुभव कुछ और ही कहता है, बढ़ती कीमतें, धीमी नौकरी वृद्धि और भविष्य को लेकर गहराती चिंता। उनका यह आशावाद शायद राजनीतिक तौर पर काम आए, लेकिन सच्चाई यह है कि ज़्यादातर अमेरिकी परिवारों के लिए अर्थव्यवस्था अब भी अस्थिर और अनिश्चित है।

छ माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तलाश में कई ठिकानों पर दबिश दी। लेकिन टीम को कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर एसीबी टीम ने झालाना में दबिश देकर रोहित मीणा को दबोच लिया।

'रोटी को तवे पर पलटते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्षी महागठबंधन, सरकार-विरोधी लहर और अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के, हर घर को एक नौकरी के अभूतपूर्व वादे पर भरोसा करते हुए, एन.डी.ए. से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है। 2020 में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी राजद ने इस बार तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आक्रामक प्रचार किया है, जो युवाओं के वोट पाने की उम्मीद लगाये बैठे हैं।

भाजपा ने हमेशा की तरह जोरदार प्रचार अभियान चलाया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद कई रैलियां कीं। उनके साथ केन्द्र के मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी सक्रिय रहे। चर्चाएं थीं कि छह बार के मुख्यमंत्री 74 वर्षीय नीतीश कुमार को इस बार बदला जा सकता है, क्योंकि जदयू अब भाजपा के सीनियर पार्टनर के रूप में नहीं, बल्कि जूनियर भूमिका में दिख रही है। अंततः केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को आखिरी समय पर इस पर सफाई देनी पड़ी।

कांग्रेस, जो 2020 में अपने सहयोगी राजद से काफी पीछे रह गई थी, इस बार फीका प्रचार करती नजर आई। शुरुआत में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की संयुक्त पदयात्रा से जोश दिखा, लेकिन राहुल गांधी बाद में दो महीने से अधिक समय तक चुनावी मैदान से गायब रहे।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर, जिन्होंने अपनी जन सुराज पार्टी के साथ राजनीति में कदम रखा है, इस चुनाव के एक्स फैक्टर माने जा रहे हैं। उनके आने से कई सवाल उठे हैं, जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि क्या इससे गैर-भाजपा वोटों में बिखराव होगा। किशोर ने कहा है कि उनकी पार्टी या तो 10 से कम या 150 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जन सुराज पार्टी चुनाव से पहले या बाद में किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। जन सुराज पूरे राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है और भ्रष्टाचार व बुनियादी सेवाओं की गिरावट को मुख्य मुद्दा बना रही है।

यह चुनाव रोजी रोटी के मुद्दों, बेरोज़गारी, पलायन, भ्रष्टाचार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे बुनियादी मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमता है। तेजस्वी यादव के नौकरी के वादे ने इन मुद्दों को और भी ज्यादा तूल दे दिया है, जिसका मतलब है कि 1.3 करोड़ नौकरियाँ दी जायेंगी। एनडीए का कहना है कि राज्य के पास इतनी बड़ी योजना के क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 1 करोड़ नौकरियां देने और महिलाओं को सशक्त बनाकर 1 करोड़ लखपति दीदी बनाने का वादा किया है।

गुरुवार को जिन क्षेत्रों में मतदान हुआ, वे ज्यादातर मध्य बिहार में आते हैं। 2020 में इस इलाके की 121 सीटों में से 63 पर महागठबंधन ने जीत दर्ज की थी, जबकि भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू को मिलकर 55 सीटें मिली थीं।

डमी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रयोगशाला में परीक्षण करवाया गया, जहां से रिपोर्ट नेगेटिव प्राप्त हुई।

तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 के पद पर धोखाधड़ी पूर्वक चयनित होने का आपराधिक कृत्य करने तथा अपराध प्रमाणित पाये जाने पर आरोपित सचिन कुमार बघेल को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा के विकास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

25 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों का कार्य स्वीकृत हो गया है और कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है तथा गणेशगंज नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार की स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि चम्बल दायीं मुख्य नहर की शेष रही 38 किलोमीटर लम्बाई को पक्का करने के लिए 300 करोड़ रुपये स्वीकृत स्वीकृत हो चुके हैं।

ईआरसीपी को धरातल पर लाने के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश दिए जा चुके है। मंगरोल से पार्वती नदी तक बाणगंगा की रिसेक्शनिंग की डीपीआर बनाई चुकी है और यह कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। साथ ही, बारिश से होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए, अन्ता में नालों का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अंता विधानसभा क्षेत्र के मांगरोल में सुभाष चौक से सीसवाली चौराहे तक रोड शो किया और रथ में साथ में मौजूद भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस दौरान, रोड शो में आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं माल्यार्पण कर स्वागत-अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सुभाष सर्किल पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया।

ढ ई किलोमीटर लंबे रोड शो में मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए 51 द्वार बनाए गए और सभी जगह पर हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं व आमजन ने पुष्पवर्षा, ढ ोल-नगाड़े बजाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। रोड शो में मुख्यमंत्री ने 'इस माटी का एक ही लाल, मोरपाल-मोरपाल' का नारा भी लगवाया।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद दुष्यंत सिंह सहित, जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गिरफ्तार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौलाना से एटीएस टीम पूछताछ कर रही है। मसूद के बड़े भाई मोहम्मद उसामा को जालोर जिले के सांचौर में झेरडियावास में दबिश देकर पकड़ा गया था। यह सांचौर की एक मस्जिद में मौलवी है। उसामा शादीशुदा है। इसके 4 बच्चे है, जिनमें 2 बेटे और 2 बेटियां है। वहीं, इसके भाई मसूद की तलाश में बाड़मेर जिले के गडरा रोड, रामसर पांधी का पार पंचायत पर स्थित इनके घर पर छापा मारा था। कार्रवाई की भनक लगने पर मसूद भाग गया। हालांकि तलाश के बाद एटीएस ने मसूद को पकड़ लिया। उससे भी मोबाइल व दस्तावेज कब्जे में लिए गए है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908